CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-361
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, बुधवार 03 अप्रैल 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

कुछ रिश्ते परिभाषाओं में कैद नही होते, पर होते बहुत ही अनमोल हैं।

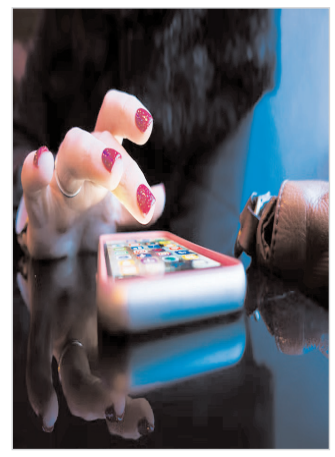

पेज-04

दतिया टोल प्लाजा पर बदमाशों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग भगदड़ में दो लोगों की मौत

दतिया। दतिया टोल प्लाजा पर बेखौफ बदमाशों ने कहर बरपाते हुए 15 मिनट तक दनादन फायरिंग कर डाली। फायरिंग की घटना से टोल प्लाजा के कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। इस भगदड़ से कुएं में गिरने से दो कर्मचारियों की मौके पर मौत हो गई। घटना चिरुला थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा पर हुई। इसे कुछ बदमाशों ने अंजाम दिया। फायरिंग के कारण हुई भगदड़ में हरियाणा निवासी श्रीनिवास परिहार और शिवाजी कांडेले की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना मंगलवार देर रात की बताई जाती है। चिरुला पुलिस बदमाशों के बारे में जानकारी जुटा रही है। फायरिंग की घटना के बाद अज्ञात बदमाश मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार टोल प्लाजा पर गोलीबारी की वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुटी है।

अरविंद केजरीवाल का वजन 4.5 KG घटा, गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में अहम सुनवाई आज

नई दिल्ली। शराब नीति कांड में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वजन 4.5 किलो घट गया है। इसके साथ ही तिहाड़ जेल में उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।वहीं, केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में बुधवार को अहम सुनवाई होगी। याचिका में ईडी की कार्रवाई को गैरकानूनी बताया गया है। पिछली सुनवाई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आप संयोजक द्वारा संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका का विरोध किया था। **केजरीवाल ने जानबूझकर समन की अवज्ञा की - ईडी** इससे पहले मंगलवार को हुई सुनवाई में ईडी ने दिल्ली हाई कोर्ट में जवाब दाखिल किया। ईडी ने कहा कि केजरीवाल ने जानबूझकर समन की अवज्ञा करने का फैसला किया और एक कमजोर आधार पर जांच में शामिल नहीं हुए। ईडी ने याचिका का विरोध किया और कहा कि उन्हें जांच में सहयोग करने के लिए कई अवसर दिए गए थे। मौजूदा मामले में उन्हें नौ समन जारी किए गए थे। ईडी ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में उत्पन्न अपराध की आय की प्रमुख लाभार्थी है। अपराध की आय का एक हिस्सा लगभग 45 करोड़ रुपये गोवा विधानसभा चुनाव 2022 में आप के चुनाव अभियान में उपयोग किया गया है। आप ने अरविंद केजरीवाल के माध्यम से मनी लांड्रिंग का अपराध किया है।

रीवा में सीएम डॉ. मोहन यादव ने सभा को किया संबोधित

जनता को परेशान करने वाले अफसरों को बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार

रीवा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को रीवा में कहा कि अधिकारियों का काम जनता के बीच जनहितैषी योजनाओं को लागू करना है। जनता को परेशान करने के लिए आप अधिकारी नहीं हैं, अगर आप इस रास्ते पर जाओगे तो हमारी सरकार बर्दाश्त करने वाली नहीं है। सीएम ने कोठी कंपाउंड में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 30 साल पहले जब मैं बस या ट्रेन से रीवा आता था तो हालत खराब हो जाती थी। उन्होंने यहां के सुंदरजा आम की भी तारीफ की। कांग्रेस पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण में बाधा उत्पन्न की। मंच पर कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ली। सीएम ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने इस क्षेत्र की उपेक्षा की है। रीवा के लोग अपनी मीठी जुबान के लिए जाने जाते हैं और अपने काम के लिए पहचाने जाते हैं।

देश को 56 इंच के सीने वाला प्रधानमंत्री मिला सीएम ने कहा कि अभिनंदन जब पाकिस्तान में फंस गए थे। तब

प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान से कहा कि अगर हमारे सैनिक का बाल भी बांका हुआ तो पाकिस्तान कल का सूरज नहीं देखेगा। हम हालत खराब कर देंगे। देश को 56 इंच के सीने वाला प्रधानमंत्री मिला है। साथ ही जहां-जहां भगवान राम और कृष्ण के कदम पड़े हैं। उन सभी जगहों को हम तीर्थ के रूप में विकसित कर रहे हैं।

गरीबों को भी एयर एम्बुलेंस की सुविधा मुख्यमंत्री पहले रीवा में सभा के बाद भाजपा प्रत्याशी के नामांकन रैली में भी शामिल होने वाले थे। लेकिन जबलपुर और शहडोल में उनके कार्यक्रमों की वजह से वे सभा करने के बाद रीवा से रवाना हो गए। डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले अमीर लोग ही एयर एम्बुलेंस का उपयोग कर पाते थे। लेकिन अब हमारी सरकार में गरीबों को भी एयर एम्बुलेंस की सुविधा मिल रही है। लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार बेहतर बनाया जा रहा है। वहीं सिंचाई के क्षेत्र को विस्तृत बनाकर किसानों को संपन्न बनाया जा रहा है। भाजपा प्रत्याशी जनार्दन मिश्रा ने कहा कि मैं 10 सालों तक सांसद रहा हूं। जैसे भरत ने भगवान राम की चरण पादुका सिंहासन पर रखकर शासन किया था। वैसे ही मैंने भी कुर्सी पर जनता की चरण पादुका रखकर सेवा की है। उन्होंने कहा कि 10 सालों तक सांसद रहने के बाद भी रीवा शहर में मेरा खुद का मकान नहीं है।

दृष्टिबाधित भारतीय उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला पर 10 मई को रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड इंडस्ट्री में अब बायोपिक का चलन तेजी से शुरू हो चुका है। अब कई बायोपिक फिल्में बन रही हैं। अब इस कतार में राजकुमार राव भी एक बायोपिक में नजर आने वाले हैं। हाल ही में उनकी फिल्म श्री को लेकर अपडेट सामने आया था। उनकी इस फिल्म का नाम श्री से बदलकर श्रीकांत कर दिया गया है। फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। यह फिल्म 10 मई 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला की जीवनी पर आधारित है, जिसमें राजकुमार राव मुख्य किरदार में नजर आएंगे। उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला कई लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इस फिल्म के जरिये उनकी जिंदगी के संघर्ष को दिखाया जाएगा। श्रीकांत बोल्ला कहते हैं कि दुनिया मुझे देखती है और कहती है, श्रीकांत, तुम कुछ नहीं कर सकते,तो मैं दुनिया की ओर देखता हूं और कहता हूं मैं कुछ भी कर सकता हूं। श्रीकांत बोल्ला एक भारतीय उद्योगपति और बोलैंट इंडस्ट्रीज के संस्थापक हैं। अप्रैल 2017 में श्रीकांत बोल्ला को फोर्ब्स पत्रिका द्वारा पूरे एशिया में 30 अंडर 30 की सूची में नामित किया गया था, वे उस सूची में केवल तीन भारतीयों में से एक थे। वे मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रबंधन विज्ञान में पहले अंतरराष्ट्रीय दृष्टिबाधित छात्र हैं। उनका जन्म 1991 में आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम शहर के सीतारमपुरम में एक दृष्टिबाधित शिशु के रूप में हुआ था।

हरदा पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट के आरोपियों की 19 संपत्तियां नीलाम

हरदा। हरदा जिले के तहसील ऑफिस में मंगलवार को बीती 6 फरवरी को पटाखा फैक्टरी ब्लास्ट के आरोपी सोमेश व राजेश अग्रवाल की संपत्तियों को सार्वजनिक नीलामी एनजीटी के आदेश पर की गई। परिसर में तीन टेबलों पर नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई। जिसमें एक टेबल पर ग्राम बैरागढ़ की 22, दूसरे टेबल पर ग्राम रहटाखुर्द की 3 व तीसरे टेबल पर हरदा खास नजूल के तहत आने वाले आरोपियों के पुरानी सब्जी मंडी के मकान की बोली लगाई गई। गौरतलब है कि ब्लॉस्ट के दौरान 13 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। वहीं दो सौ से अधिक लोग घायल हो गए थे। जबकि 60 परिवार बेघर हो गए थे। नीलामी से मिलने वाली राशि को कलेक्टर की ओर से प्रभावित परिवारों को दी जाएगी। नीलामी पूरी होने के बाद मीडिया से चर्चा के दौरान कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि मंगलवार को प्रथम चरण के तहत कुल 19 संपत्तियों की नीलामी की गई है। जिसमें 20 से अधिक लोगों ने बोली लगाई। इसमें शासन की गाइड लाइन के अनुसार 19 संपत्तियों का बाजार मूल्य 70 लाख के आसपास था। जिनकी नीलामी में दो करोड़ पैसठ लाख की बोली लगाई गई है। सभी खरीददारों को अगले पंद्रह दिनों के भीतर नीलामी में लगाई गई पूरी राशि जमा करानी होगी। ताकि उसकी रजिस्ट्री कराई जा सके। मीडिया से चर्चा के दौरान कलेक्टर सिंह ने कहा कि मंगलवार को आरोपियों की हरदा तहसील के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों की नीलामी की गई है। जिसमे हरदा खास के अंतर्गत आने वाला पुरानी सब्जी मंडी का मकान भी शामिल था, लेकिन किसी ने उस मकान की बिक्री पर हाईकोर्ट से स्टे मिलने की अफवाह उड़ा दी थी। जिसके कारण मंगलवार को मकान की नीलामी में कोई खरीददार नहीं आया है।

न्यूक्लियर फ्यूजन : परमाणु वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर पैदा किया 10 करोड़ डिग्री सेल्सियस का तापमान

दक्षिण कोरिया के नकली सूरज ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, दुनिया हैरान

सियोल। दक्षिण कोरिया के परमाणु वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर 10 करोड़ डिग्री सेल्सियस का तापमान पैदा कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इतना तापमान अभी तक किसी भी देश ने पैदा नहीं किया है। यह तापमान कृत्रिम सूर्य में परमाणु संलयन प्रयोग के दौरान पैदा किया गया। यह सूर्य के कोर से सात गुना अधिक है। दक्षिण कोरिया का कहना है कि यह भविष्य में ऊर्जा प्रौद्योगिकी की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। वर्तमान में दुनिया के कई देश कृत्रिम सूर्य पर काम कर रहे हैं, जिसमें चीन, अमेरिका और फ्रांस शामिल हैं।

विशेष चेंबर की जरूरत होती है परमाणु संलयन को अंग्रेजी में न्यूक्लियर फ्यूजन कहा जाता है। यह तब होता है जब दो परमाणु एक में जुड़ते हैं। इससे भारी मात्रा में ऊर्जा निकलती है। सूर्य जैसे सितारों को परमाणु संलयन से ही ऊर्जा

और रोशनी मिलती है। संलयन केवल तब होता है जब परमाणु अत्यधिक गर्मी और दबाव में होते हैं। ऐसे में धरती पर इस प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए विशेष चेंबर की जरूरत होती है। वैज्ञानिकों को न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर को चलाने में सफलता मिलने के बाद कई फायदे होंगे। जीवाश्म ईंधन के जलने के विपरीत संलयन प्रक्रिया में किसी भी तरह का प्रदूषण नहीं फैलता है। लेकिन, पृथ्वी पर इस प्रक्रिया में महारत हासिल करना बेहद चुनौतीपूर्ण है।

यह रिकॉर्ड इसलिए इतना महत्वपूर्ण संलयन ऊर्जा प्राप्त करने के सबसे आम तरीके में टोकामक नामक डोनट के आकार का रिएक्टर शामिल होता है जिसमें प्लाज्मा बनाने के लिए हाइड्रोजन वेरिएंट को असाधारण उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है। कोरियाई इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूजन एनर्जी में रिसर्च सेंटर के निदेशक सी-वू यून ने कहा, उच्च तापमान और उच्च घनत्व वाले प्लाज्मा परमाणु संलयन रिएक्टरों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनमें लंबी अवधि तक प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि उच्च तापमान प्लाज्मा की अस्थिर प्रकृति के कारण इन उच्च तापमान को बनाए रखना आसान नहीं है। यही कारण है कि यह हालिया रिकॉर्ड इतना महत्वपूर्ण है।

छह महीने से जेल में बंद 'आप' सांसद संजय सिंह आज हो सकते हैं रिहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को जमानत दे दी। जस्टिस संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने मंगलवार को छह महीने से जेल में बंद संजय सिंह को जमानत देने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि अगर आप नेता को मामले में जमानत दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने छह महीने से जेल में बंद संजय सिंह को रिहा करने का आदेश दिया।

पीठ ने कहा कि आप नेता अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं लेकिन इस मामले के संबंध में कोई बयान नहीं दे सकते। हालांकि, बेंच ने साफ किया कि संजय सिंह को दी गई जमानत को मिसाल के तौर पर नहीं लिया जाएगा। तीन जजों की बेंच ने कहा कि सिंह पूरे मुकदमे के दौरान जमानत पर बाहर रहेंगे और उनकी जमानत की शर्तें विशेष अदालत तय करेगी। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी. राजू ने कहा कि उन्होंने जांच एजेंसी से निर्देश ले

लिए हैं और अगर सिंह को जमानत दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आप नेता संजय सिंह छह महीने जेल में बिता चुके हैं और उनके खिलाफ दो करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। इन आरोपों की जांच ट्रायल के दौरान की जा सकती है। इतनी प्रोसेस के बाद आज रिहा होंगे संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत का ऑर्डर पहले राउज एवेन्यू कोर्ट जाएगा। वहां उनकी बेल की कंडीशन तय की जाएगी, जिसके बाद जमानत का बेल बॉन्ड भरा जाएगा।फिर, कोर्ट से रिलीज ऑर्डर जेल भेजा जाएगा। यह ऑर्डर स्पेशल मेसेंजर के जरिये तिहाड़ एडमिनिस्ट्रेशन के पास भेजा जाता है। नियम के अनुसार जेल एडमिनिस्ट्रेशन रिलीज ऑर्डर मिलने के बाद संजय सिंह के दस्तखत करवाएगा। सारी औपचारिकताएं पूरी करने की जिम्मेदारी असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट रैंक के अधिकारी की होती है। दस्तखत करवाने के बाद संजय सिंह के रिहाई के कागज फाइनल हो जाएंगे। संजय सिंह की पत्नी अनीता सिंह ने जानकारी दी है कि कोर्ट का जो भी प्रोसेस था, वो मंगलवार को आधा हो गया है। बाकी का प्रोसेस बुधवार 3 अप्रैल को पूरा हो जाएगा।

बीजापुर में सुरक्षाकर्मियों ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मंगलवार की सुबह सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी कामयाबी मिली। गंगालूर इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में जवानों ने शाम तक 10 नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं घटना स्थल से एलएमजी, लांचर और भारी मात्रा में नक्सलियों का सामान बरामद हुआ है। खबर है कि मौके से कई अत्याधुनिक हथियार बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सोमवार की रात डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी सर्च अभियान के लिए गंगालूर इलाके में रवाना हुई थी। अभियान के दौरान मंगलवार की सुबह 6 बजे के करीब गंगालूर थाना क्षेत्र के लेंड्रा के जंगल में पुलिस की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। शुरूआत में ही इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस जवानों ने चार नक्सलियों को मार गिराया। इसके बाद शाम तक छह और नक्सलियों को मार गिराया। मौके से जवानों ने नक्सलियों के शव सहित एक एलएमजी, आटोमेटिक हथियार, बीजीएल लांचर व भारी मात्रा में हथियार तथा गोला बारूद दैनिक उपयोग की सामग्री जब्त की। पुलिस ने दावा किया है कि मुठभेड़ में कई नक्सली घायल भी हुए हैं। इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है।

सिंगल कॉलम

मार्च में हर दिन उड़े 10 हजार 714 यात्री, बीते माह कुल 3.32 लाख यात्री

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मार्च लगातार तीसरा ऐसा महीना रहा है, जिसमें एयरपोर्ट से यात्रियों की संख्या 3 लाख से अधिक पहुंची है। इंदौर एयरपोर्ट से मार्च में हर दिन औसतन 10 हजार 714 यात्रियों ने उड़ान भरी है। वहीं औसतन हर दिन 85 उड़ानों का संचालन हुआ है। जो पिछले सात माह में सबसे अधिक है। वहीं ट्रेवल एजेंट का कहना है कि अब सीजन आने पर इसमें और इजाफा होगा। बता दें कि पिछले साल मार्च में इंदौर एयरपोर्ट से 2,159 उड़ानों में 2,73,364 यात्रियों ने उड़ान भरी थी। इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार मार्च में मौसम का कोई खास असर उड़ानों के संचालन पर नहीं पड़ा है। उड़ानें लेट जरूर हुई, लेकिन निरस्त उड़ानों की संख्या कम रही है। इस कारण यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। पूरे मार्च में कुल 3 लाख 32 हजार 160 यात्रियों ने सफर किया है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि सबसे अधिक 11 हजार 378 यात्रियों ने 7 मार्च को यात्रा की है। जबकि होली वाले दिन 25 मार्च को इंदौर से केवल 9 हजार 456 यात्रियों ने सफर किया था। प्रबंधन के अनुसार 2022 में जहां इंदौर से 22 हजार 463 उड़ानों का संचालन हुआ था और 24 लाख 25 हजार यात्रियों ने सफर किया था, वहीं 2023 में 28 हजार 851 उड़ानें उड़ी और इनसे 35 लाख 39 हजार 406 यात्रियों ने सफर किया था। लेकिन इस साल 2024 में यह संख्या 40 लाख तक पहुंचने की संभावना है।

महाकाल मंदिर हादसे में झुलसे 3 और लोग डिस्चार्ज, 6 का इलाज जारी

इंदौर। धुलेंडी पर महाकाल मंदिर में आरती के आग लगने से झुलसे लोगों की हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। तीन और मरीजों को डिस्चार्ज कर दिया गया। इनके सहित अब तक पांच लोगों को डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब 6 लोग एडमिट हैं जिनका बर्न यूनिट में इलाज चल रहा है। रमेश (60) और मास्टर अंश शर्मा (12) को डिस्चार्ज किया गया है। इसमें रमेश 10-15 प्रतिशत और अंश 5-10 प्रतिशत जले थे। इसके पूर्व कमल (44), मंगल (36) और सोनू राठौर (34) को डिस्चार्ज किया गया था। इसके बाद आनंद (35) को डिस्चार्ज किया गया। बर्न यूनिट में एडमिट मनोज शर्मा (43) ऑक्सीजन पर हैं। एक अन्य सत्यनारायण सोनी (79) शुगर पेशेंट हैं। सभी मरीजों की मांसपेशियों में दर्द है। हॉस्पिटल के डिप्टी मैनेजर डॉ. सुजीत जादौन ने बताया कि सभी की हालत में सुधार हो रहा है।

मसाले की आड़ में इंदौर से गुजरात शराब पहुंचाने वाला गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर से गुजरात भेजी जा रही शराब के मामले में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने ट्रांसपोर्टर अनूप सिंह भाटी को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी मिली थी कि वह परचून की आड़ में गुजरात में शराब भेजा करता है। इसने वड़ोदरा को अपना सेंटर बना रखा था। भाटी ने वड़ोदरा में कई एजेंट बना रखे हैं जो उसकी भेजी गई शराब को वितरित करते हैं। एसटीएफ टीआई राजेंद्र इंगले ने बताया, रविवार को ट्रक एमपी-09-जीजी-8320 में भारी मात्रा में शराब गुजरात भेजने की सूचना मिली थी। हमने बेटमा के पास सागौर कुटी मार्ग पर करीब 250 पेटी शराब जब्त की। यह मसालों के बॉक्स के पीछे छिपाकर रखी थी। ट्रक चालक कालू सिंह ग्रेवाल को गिरफ्तार किया तो उसने बताया कि वह लसूड़िया स्थित हिंदुस्तान ट्रांसपोर्ट पर काम करता है। उक्त माल ट्रांसपोर्टर अनूप सिंह भाटी का है। भाटी पर गुजरात के पंचमहल क्षेत्र के हालोल में शराब की तस्करी का प्रकरण दर्ज है। इसकी एक गाड़ी गुजरात पुलिस शराब के मामले में जब्त कर चुकी है। इसमें आबकारी विभाग के अधिकारियों की भूमिका को भी तलाशा जा रहा है। भाटी के बारे में एसटीएफ को पता चला कि वह शहर के कई शराब कारोबारियों से जुड़ा है। टीम इससे जुड़े इंदौर व गुजरात के सभी लोगों की पड़ताल कर रही है।

इंदौर में बेकरी व्यवसायी की गाड़ी को ट्रक ने टक्कर मारी, पत्नी और बेटी की मौत

इंदौर। शहर के बायपास पर बुधवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। ट्रक ने बेकरी व्यवसायी की पत्नी और बेटी की जान ले ली। वह बाइक से ओंकारेश्वर जा रहे थे। हादसे में व्यवसायी भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उनका उपचार चल रहा है। घटना तेजाजी नगर थाना क्षेत्र स्थित सेज यूनिवर्सिटी के समीप का है। बेकरी व्यवसायी बाइक से पत्नी छाया और बेटी दिव्यांशी को लेकर ओंकारेश्वर के लिए रवाना हुए थे। तेज रफ्तार से आए ट्रक ने करणसिंह की बाइक को टक्कर मारी। ट्रक चालक ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि करण बाइक सहित दूर जाकर गिरे। छाया और दिव्यांशी भी दूर गिरी। मां-बेटी को मौत मौके पर ही हो गई। राहगिरों की मदद से दोनों के शवों को एमवाय अस्पताल भिजवाया गया। उनके शवों का पोस्टमार्टम करवाया गया है। करणसिंह करणी सेना के पदाधिकारी जितेंद्रसिंह चौहान के रिश्तेदार है।

कलेक्टर ने सर्वे कराया तो हुआ चौंकाने वाला खुलासा

हे भगवान...40 सरकारी मंदिरों की जमीन पर अवैध कब्जा

कहीं कॉलेज चल रहा तो कहीं पर काट दी कॉलोनी

इंट्रो- इंदौर में कारोबारियों ने मंदिरों की जमीन भी कब्जा ली। इंदौर में 40 ऐसे मंदिर चिह्नित किए हैं, जिनकी जमीन पर अतिक्रमण है। इन मंदिरों की जमीन पर कहीं कॉलेज बन गया तो कहीं पर कॉलोनी काट दी गई है। कलेक्टर ने सर्वे कराया तो करा लिया है, लेकिन कार्रवाई में चुनावी प्रक्रिया बाधक बन रही है।

इंदौर। इंदौर में कब्जाधारियों ने सरकारी मंदिरों की जमीन को भी नहीं छोड़ा। जिले के 40 ऐसे मंदिर हैं, जिनकी जमीन पर कहीं मकान, कहीं दुकान तो कहीं कॉलोनी ही कट गई। एक मंदिर की जमीन पर तो निजी कॉलेज ने कब्जा कर लिया है। प्रशासन के सर्वे में यह खुलासा हुआ है। अब कब्जाधारियों को नोटिस देकर कार्रवाई होगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने सरकारी मंदिरों की जमीन का सर्वे करवाया तो कई चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। सर्वे में तहसीलवार शासकीय मंदिर का नाम, कुल जमीन, अतिक्रमण है तो किस तरह का, कितनी जमीन पर, अतिक्रमणकर्ता का नाम, पुजारी का नाम तक पूछा गया था। कलेक्टर ने कहा अभी जहां रहवास नहीं है, वहां नोटिस दिए जा रहे हैं। जवाब मिलने के बाद इन्हें हटाने की कार्रवाई होगी। प्रशासन ने अभी जो जांच करवाई है, यह सिर्फ मंदिरों के नाम से अधिकृत जमीनों की जांच है। शहर में बड़े पैमाने पर सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से धर्मस्थल बन गए हैं, उनकी जांच अभी नहीं हुई है। फिलहाल आचार संहिता है, इसलिए प्रशासन इस दिशा में अभी कार्रवाई शुरू नहीं कर रहा। प्रशासन को इस तरह की शिकायत कई रहवासियों से मिली है, जिसमें कहा गया है कि पूर्वी रिंग रोड और पश्चिमी रिंग रोड के अधिकांश ग्रीन बेल्ट पर बड़ी संख्या में धर्मस्थल के नाम पर अवैध कब्जा हो गया है।

इंदौर में तीन सौ से अधिक सरकारी मंदिर

इंदौर में तीन सौ से अधिक सरकारी मंदिर मौजूद है जिनका निर्माण होलकर राज शासन के समय हुआ था। उस दौरान मंदिरों के देखरेख व रखरखाव के लिए राजा ने मंदिरों को जमीनें भी आरक्षित की थी ताकि पुजारी उस पर खेती करके परिवार का पालन पोषण कर सके या जमीन को बटाई (सालाना किराए पर खेती के लिए) पर देकर होने वाली आय से मंदिर का खर्च निकाल ले। समय के साथ पुजारी और अन्य लोगों की नियत खराब हो गई। मंदिर की जमीन को अपनी निजी मालिकाना हक की बताकर बेचना शुरू कर दी। यह सिलसिला अभी भी जारी था, जिसकी भनक कलेक्टर आशीष सिंह को लगी। उन्होंने राजस्व अधिकारियों की बैठक में सरकारी मंदिरों की जमीनों की जांच करने के एसडीओ को निर्देश दिए थे।

पुजारियों ने एक तरफा डिक्री करा ली

1980 और 1990 के दशक में मंदिर की जमीनों को लेकर एक खेल शुरू हुआ था। पुजारियों ने निचली अदालतों में जमीन को अपनी मालिकाना बताकर एक तरफा डिक्री करा ली। कुछ वर्षो बाद नामांतरण नहीं होने पर अदालत में अवमानना याचिका लगा दी ताकि नामांतरण हो सके। तहसील अफसरों से में सांठगांठ के चलते कई जमीनों का नामांतरण भी हो गया। इस फेर में सैकड़ों एकड़ जमीन लूट गई। कुछ मामले में सरकार जागी तो देर हो चुकी थी। ऊपरी अदालत में केस लगाया गया लेकिन समय सीमा के चलते मुंह की खानी पड़ी। दर्जनों केस सुप्रीम व हाई कोर्ट में लंबित है।

इन मंदिरों की जमीन पर कॉलोनी

श्री रणछोड़ मंदिर सुल्काखेड़ी - गौशाला, मंदिर, क्लाथ मार्केट कन्या महाविद्यालय ,गोदाम, दालमिल व रहवासी मकान श्री गोवर्धननाथ मंदिर सुल्काखेड़ी - महेश नगर -श्री महादेव मंदिर सिरपुर - गंगा कालोनी -श्री खेडापति मंदिर सिरपुर - मारुती पैलेस -श्री महादेव मंदिर टिगरिया बादशाह - आइडीए स्कीम -श्री गुटकेश्वर महादेव मंदिर - मकान बने -श्रीकृष्ण मंदिर - तिलक नगर बसाहट -श्री मुरली मनोहर मंदिर - आइडीए की टीपीएस योजना -श्री मारुति मंदिर - श्रद्धा श्री कॉलोनी व व्यवसायिक गतिविधि -श्री गणपति मंदिर - धीरज नगर

यहां भी हैं कब्जे

0 मल्हारगंज एसडीओ क्षेत्र - खेडापति हनुमान मंदिर भमोरी दुबे, बैजनाथ मंदिर भंवरासा. श्रीराम मंदिर वनखण्डी भंवरासा. श्री महादेव मंदिर नरवर, श्री राम मंदिर नरवर, श्रीराम मंदिर छोटाबागड़दा, श्री महादेव मंदिर सुल्काखेड़ी, श्री गंगा मंदिर सुल्काखेड़ी, श्री राममंदिर सिरपुर, श्री कृष्ण मंदिर सिरपुर व श्रीराम मंदिर सिरपुर।

0 भिचौली हप्सी एसडीओ क्षेत्र - श्री गुटकेश्वर महादेव मंदिर, श्री गुटकेश्वर महादेव मंदिर, श्रीखेड़ापति मंदिर व श्रीखेड़ापति मंदिर।

0 हातोद एसडीओ क्षेत्र - श्री खेडापति मंदिर व श्री राधाकृष्ण मंदिर।

0 जूनीइंदौर एसडीओ क्षेत्र - श्री मनकामेश्वर कांटाफोड़ मंदिर, श्री खेडापति हनुमान मंदिर, हनुमान मंदिर नरसिंह मंदिर, श्री राम मंदिर, श्री जटाशंकर मंदिर, श्री कनकेश्वर महादेव मंदिर व श्री गोवर्धननाथ मंदिर।

0 देपालपुर एसडीओ क्षेत्र - श्री गोपाल मंदिर।

0 सांवेर एसडीओ क्षेत्र - श्री महादेव मंदिर। राऊ एसडीओ क्षेत्र - श्रीकृष्ण मंदिर।

खेड़ापति हनुमान मंदिर की जमीन पर प्लॉटिंग

इंदौर में मल्हारगंज तहसील के कबीटखेड़ी स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर की जमीन पर आईडीए की स्कीम, प्लॉटिंग हो चुकी है। इसी प्रकार भमोरी दुबे स्थित मंदिर में कुछ लोगों ने मकान बना लिए हैं।

- भौंरासला के बैजनाथ मंदिर अस्थायी पार्किंग स्थल और हॉकर कार्नर बन गई है। यहां मेडिकल कॉलेज और अस्पताल संचालक का भी अतिक्रमण है। जबकि, नरवर महादेव मंदिर में अवैध मकान बन गया।

- बिचौली हप्सी स्थित गुटकेश्वर मंदिर में टीन शेड बनाकर 0.027 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा। यहीं पर खेड़ापति मंदिर में खेती हो रही है। जूनी के कांटाफोड़ मंदिर में 8 दुकानें बना ली गई हैं। जूनी हनुमान मंदिर-नृसिंह मंदिर में 12 से 15 मकान बना लिए गए हैं।

-लाबरिया भेरू मंदिर की जमीन पर पेट्रोल पंप, बैंक भवन और गार्डन बन गया। श्रीराम मंदिर छोटा बांगड़दा में कॉलोनी काट दी गई। यहां खेती भी हो रही है।

-सुल्काखेड़ी रणछोड़ मंदिर में कॉलेज, गोडाउन, दाल मिल और रहवासियों का कब्जा है। यहां के गोवर्धननाथ मंदिर और इनामदेव स्थान महादेव सिरपुर में महेश नगर और गंगा कॉलोनी की बसाहट।

धर्मस्थल की आड़ में अतिक्रमण

इंदौर शहर में सरकारी जमीनें कब्जाने का खेल व्यापक स्तर पर चलता है। कारोबारियों की नजर बेसकीमती जमीनों पर होती है। धर्मस्थल की आड़ में अतिक्रमण किया जाता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा आज आएंगे इंदौर

मालवा निमाड़ की सीटों पर होगी चर्चा

इंदौर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के बड़े नेताओं के दौरे अब मध्यप्रदेश में शुरू हो गए है। जबलपुर की सभा के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा बुधवार को इंदौर आ रहे हैं। वे मालवा निमाड़ की पांच सीटों का फीडबैक लेंगे। इनमें एससी और एसटी की तीन सीटें शामिल है। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस बैठक में पांच लोकसभा सीटों के प्रभारी व चुनाव प्रबंधन से जुड़े नेता शामिल रहेंगे। नड्डा उनसे सीधे बात करेंगे और सीटों को लेकर फीडबैक रहेगा। उनका ज्यादा फोकस, झाबुआ, खरगोन और धार लोकसभा सीट पर रहेगा,क्योंकि विधानसभा चुनाव में मालवा निमाड़ की आदिवासी सीटें भाजपा के पास कम आई है। बैठक में इंदौर कलस्टर की सीटें पर चर्चा होना है। इस कलस्टर में इंदौर लोकसभा के अलावा धार, खरगोन, रतलाम-झाबुआ और खंडवा की सीट शामिल है। बैठक में संगठन की कोर कमेटी के सदस्य शामिल रहेंगे। नड्डा के साथ मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा भी शामिल रहेंगे। इंदौर कलस्टर की जिम्मेदारी देवड़ा को दी गई है। नड्डा ने मंगलवार को जबलपुर में एक सभा को संबोधित किया। बुधवार दोपहर वे इंदौर आ जाएंगे। उससे पहले वे सुबह उज्जैन भी जाएंगे। बैठक में पांचों सीटों के लोकसभा उम्मीदवारों से भी नड्डा चर्चा करेंगे और चुनावी तैयारियों को लेकर निर्देश देंगे।

इंदौर जिले की 174 शराब दुकानों के लाइसेंस हुए रिन्यू

सरकार को मिलेंगे 1485 करोड़

इंदौर। इंदौर जिले के 64 समूह में विभाजित 174 शराब दुकानों को वित्तीय वर्ष 2024 25 के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई। जिले की 75 प्रतिशत शराब दुकानों का आबकारी विभाग ने पहले ही 15 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ नवीनीकरण करवा लिया था। शेष शराब दुकानों की नीलामी टेंडर प्रक्रिया से की गई। जिले में कुछ दुकानों के लिए 15 प्रतिशत बढ़ोतरी से खरीदार नहीं मिलने पर कम दर पर नीलाम किया गया। जिले में 13.7 प्रतिशत ग्रोथ रही। आबकारी विभाग को 174 दुकानो से लाइसेंस शुल्क और ड्यूटी के रूप में 1485 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त होगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1312 करोड़ रुपये राजस्व मिला था। प्रदेश और इंदौर में एक अप्रैल से नई शराब नीति लागू हो गई। 15 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ शराब दुकानों के नीलामी की योजना बनी थी। इंदौर जिले के 50 समूहों की दुकानों का नवीनीकरण विभाग ने 15 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ कर दिया, जबकि शेष 14 समूह की दुकानों को कम दर पर नवीनीकरण करना पड़ा। सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे का कहना है कि जिले में लाइसेंस व ड्यूटी से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1485 करोड़ की आय होगी। सभी शराब दुकान वर्तमान रेट से अधिक दाम में गई हैं। स्कीम-54 ग्रुप की दो शराब दुकानों से ही विभाग को 53 करोड़ रुपये मिलेंगे। यहां विभाग ने 56 करोड़ की आय का लक्ष्य रखा था। इस ग्रुप में स्कीम-54 और भमोरी की दुकान शामिल है। एमओजी लाइन सहित कुछ अन्य ग्रुप में 45 से 50 करोड़ तक की सालाना आय विभाग को होगी। इस वित्तीय वर्ष में एमआईजी की 12 प्रतिशत, ट्रांसपोर्ट नगर की 8 प्रतिशत और अग्रसेन चौराहे की 10 प्रतिशत कम रेट में गई। अधिकांश दुकानों का संचालन पुराने शराब ठेकेदारों द्वारा ही किया जा रहा है, इसलिए सभी शराब दुकानें अपने पुराने स्थान पर ही संचालित होगी। वहीं इस वर्ष भी अहाते बंद रहेंगे।

इंदौर जिले में बनाए गए प्रदेश के आधे से अधिक सहायक मतदान केंद्र

इंदौर। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों के लिए चार चरणों में मतदान होना है। अप्रैल-मई की भीषण गर्मी के दौरान मतदान प्रतिशत बढ़ाना चुनाव आयोग के लिए चुनौती है। इस वजह से 1500 से अधिक मतदाता संख्या वाले मतदान केंद्रों पर सहायक मतदान केंद्र बनाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में 356 मतदान केंद्र बनाए जाने हैं। इसमें आधे से अधिक 191 मतदान केंद्र इंदौर जिले में बनाए जाएंगे। जिले में अब 2679 मतदान केंद्रों पर 27 लाख 95 हजार 751 मतदाता मतदान करेंगे। इसमें 14 लाख 11 हजार 166 पुरुष और 13 लाख 84 हजार 483 महिला मतदाता हैं। 102 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। इंदौर जिले में 2486 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इसमें कई केंद्र ऐसे थे, जहां पर मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक थी। मई की भीषण गर्मी में इंदौर जिले में होने वाले मतदान को देखते हुए अधिक संख्या वाले मतदान केंद्रों पर सहायक मतदान केंद्र बनाने का प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को भेजा गया था।

मृत घोषित करने के एक घंटे बाद फिर जिंदा हो गई महिला

अब अस्पताल में भर्ती, ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा

इंदौर/राजगढ़। राजगढ़ जिले की बुजुर्ग महिला के साथ हुई इस घटना सहसा यकीन नहीं होता, लेकिन यह सच है। राजगढ़ जिले के ब्यावरा कस्बा निवासी 62 वर्षीय महिला को इलाज के बाद इंदौर के निजी अस्पताल के चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। उनकी सांसें एक घंटे बाद दोबारा तब चलने लगीं, जब उनके स्वजन इंदौर से ब्यावरा के लिए आ रहे थे। रास्ते में मक्सी

के पास दोबारा महिला की सांसें चलने पर स्वजन फिर उन्हें इंदौर ले गए । मंजूलता शर्मा की तबीयत अचानक बिगड़ने पर तीन दिन पहले स्वजन इंदौर निजी अस्पताल में उपचार कराने ले गए थे। वे घर पर बेहोश हो गई थीं। वहां जाकर पता चला कि उन्हें ब्रेन हेमरेज और लिवर में संक्रमण है। दो दिन उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, इसके बाद सोमवार सुबह डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उनके भतीजे अनूप शर्मा ने बताया कि जब वे उन्हें लेकर लौट रहे थे, तभी रास्ते में अचानक उनकी सांसें चलने लगीं। इस पर उन्हें फिर से इंदौर के अस्पताल लेकर गए, जहां डाक्टरों ने दोबारा भर्ती कर लिया है। डाक्टरों का कहना है कि अभी वे खतरे से बाहर नहीं हैं। लिवर काम नहीं कर रहा, ब्रेन काम नहीं कर रहा, सिर्प हृदय काम कर रहा है, जिसके कारण सांसें चलने लगी थीं। डॉक्टरों का कहना है कि कई बार ऐसी स्थितियां निर्मित हो जाती हैं, मल्टी आर्गन फेलियर में ऐसी स्थितियां बनती हैं, लेकिन स्थिति क्रिटिकल ही है।

मौसम: वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और राजस्थान में बना चक्रवात गर्मी पर डाल रहा असर, तीसरे हफ्ते में चलेगी लू

इंदौर में बादलों ने जमाया डेरा, अप्रैल 15 दिन रह सकते हैं राहत भरे

इंदौर। इंदौर में अप्रैल माह की शुरुआत में दिन का तापमान 36 डिग्री और रात का तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं मंगलवार को दिनभर बादलों ने डेरा जमाए रखा। मंगलवार को भी दिन का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहा। दरअसल पिछले चार दिनों से गर्मी के तेवर नरम हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक करीब 15 दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। अभी ऐसा सिस्टम बना है कि बार-बार बादल छा रहे हैं और तेज धूप नहीं होने से तापमान में गिरावट है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार अप्रैल के तीसरे हफ्ते में हीट वेव अपना असर दिखाएगी। अभी गर्मी को प्रभावित करने के तीन कारण हैं। इसमें वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और राजस्थान में बना चक्रवात खास कारण हैं। तीसरा कारण बादलों का बार-बार छाना है। इससे तापमान में इजाफा नहीं हो रहा है। 6 अप्रैल के बाद एक और सिस्टम एक्टिव होगा। इससे तापमान 39

डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके बाद तीसरे हफ्ते में तापमान बढ़ने के आसार हैं। सबसे ज्यादा तापमान 30 अप्रैल 2019 को था इंदौर में बीते 10 साल में अप्रैल माह सबसे ज्यादा तापमान 30 अप्रैल 2019 को 43.5 डिग्री सेल्सियस था। 2023 में दिन का तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह बीते 10 सालों में दिन के लिहाज से सबसे कम रहा। 10 साल में रात का सबसे कम तापमान 2 अप्रैल 2021 और 1 अप्रैल 2023 को 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सबसे कम तापमान 2 अप्रैल 1935 को था इंदौर में अप्रैल माह में सबसे कम तापमान 2 अप्रैल 1935 को 12.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश 20 अप्रैल 2013 को 30.8 मिमी (एक इंच से ज्यादा) रिकॉर्ड की गई। यह अस्थाई ट्रेंड मौसम विभाग के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक अजय शुक्ला ने बताया कि पिछले 24 घंटों में तापमान की बढ़त थमी है। यही नहीं, अधिकतर हिस्सों में कमोबेश गिरावट ही दर्ज की गई, लेकिन यह अस्थाई ट्रेंड है। वर्तमान में सूर्य की किरणों सीधी पड़ रही हैं और 12 घंटे से अधिक धूप तप रही है। ऐसे में मौसम प्रणालियों का असर कम होते ही तापमान में बढ़त का क्रम फिर दिखेगा। अगले दो से तीन दिनों में दो से तीन डिग्री की बढ़त देखने को मिल सकती है। हालांकि, पांच अप्रैल को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में आने से कुछ स्थानों पर फिर बादल छा सकते हैं। उसके बाद तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है।

सिंगल कॉलम

चलती ट्रेन में चाकू मारकर सराफा कारोबारी से तीन लाख रुपये और जेवर लूट के मामले में छह गिरफ्तार

पिछले दिनों चलती ट्रेन में सराफा व्यापारी को चाकू मारकर तीन लाख रुपये, सोने के जेवर लूटने के मामले का रेलवे पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में गिरोह के छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। बदमाशों से रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया था। उनसे लूटपाट की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है। जीआरपी थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि गंजबासौदा निवासी 48 वर्षीय राजेश सोनी काफी समय से गंजबासौदा और भोपाल के व्यापारियों के बीच सोने के जेवर बनवाने का काम करते हैं। इसके लिए वह अक्सर भोपाल आना-जाना करते थे। वह बिलासपुर भोपाल पैसेंजर एवं पंजाब मेल से सफर करते थे। 26 मार्च को राजेश सोनी बिलासपुर-भोपाल ट्रेन से एस-वन कोच में बैठकर भोपाल आ रहे थे। उनके पास रखे बैग में तीन लाख रुपये और करीब सवा तीन लाख रुपये कीमत के सोने के जेवर रखे हुए थे। निशातपुरा आउटर के पास ट्रेन की रफ्तार कुछ धीमी हुई, तभी एक युवक ने राजेश के गले पर बड़ा चाकू अड़ा दिया और बैग उसके हवाले करने को बोला। राजेश ने विरोध किया तो युवक के दो और साथी भी आ गए और जबरन बैग छीनने की कोशिश करते हुए राजेश की बैग सहित खींचते हुए गेट तक आ गए। इस बीच चाकू अड़ाने वाले युवक ने राजेश के हाथ में चाकू से तीन-चार वार कर दिए। पकड़ ढीली होते ही बैग छूट गया, लेकिन युवक भी बैग सहित चलती ट्रेन से गिर गया था। उधर उसके दो साथी भी चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट कर लूट का केस दर्ज किया था गंजबासौदा स्टेशन से मिला बदमाशों का सुराग टीआइ खान ने बताया कि इस मामले में स्पष्ट हो गया था कि रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया गया है। इस वजह से भानपुर के आसपास लगे सीसीटीवी एवं सांची, विदिशा, गंजबासौदा रेलवे स्टेशन पर लगे कैमरों के फुटेज खंगाले गए। गंजबसौदा में लगे कैमरे से भानपुर के आसपास भाग रहे तीन लड़कों में से दो के हुलिए का मिलान हो गया। उन लड़कों को पकड़कर जब पूछताछ की गई तो पूरे गिरोह का पर्दाफाश हो गया। गंजबासौदा के रहने वाले हैं तीन युवक इस मामले में पुलिस ने गंजबसौदा निवासी 18 वर्षीय अबूजर राईन, रंभा नगर भोपाल निवासी 18 वर्षीय ओसामा, आरिफ नगर निवासी शाहरुख, नवाब कालोनी निवासी 18 वर्षीय साहिल, काजी कैंप निवासी 31 वर्षीय आदिल और गंजबसौदा निवासी एक नाबालिग को पकड़ा है। ओसामा भी मूलत- गंजबासौदा का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला कि अबूजर और नाबालिग को पता था कि राजेश के पास काफी नकदी और सोना रहता है। उन्होंने ओसामा से बातचीत कर लूट की योजना बनाई थी। विदिशा से चढ़े थे तीन बदमाश रेकी कर रहे अबूजर ने 26 मार्च को साहिल, शाहरुख और आदिल को राजेश के ट्रेन के एस-वन कोच में सवार होने की जानकारी दी थी। सूचना मिलने पर विदिशा रेलवे स्टेशन से तीनों उसी कोच में सवार हो गए थे, जबकि अबूजर और उसका साथी दूसरे कोच में थे। निशातपुरा आउटर पर भानपुर खंती के पास ट्रेन की गति धीमी होते ही साहिल और उसके दो साथियों ने लूट को अंजाम दे दिया था। वारदात के बाद भागे आरोपितों को काजी कैंप निवासी आदिल अपनी स्कूटी से ले गया था। इतवारा में भी लूट का कर चुके थे प्रयास इसके पहले इस गिरोह ने इतवारा में राजेश को टक्कर मारकर लूटने की कोशिश की थी, लेकिन उस वक्त भीड़ इकट्ठी हो गई थी। तब दुर्घटना मानते हुए मामला शांत हो गया था। इसके बाद बदमाशों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए चलती ट्रेन में वारदात को अंजाम दे दिया था।

384 तक उम्मीदवार होने पर ईवीएम से ही मतदान, आगे कुछ होता है तो आयोग तय करेगा

भोपाल। एक निर्वाचन क्षेत्र में 384 तक उम्मीदवार होने पर ईवीएम से ही मतदान कराया जा सकता है। इससे अधिक उम्मीदवार होने का प्रश्न वैसे तो काल्पनिक है, लेकिन ऐसी परिस्थिति आती है तो चुनाव आयोग तय करेगा। यह बात मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मंगलवार को भोपाल में राज्य स्तरीय मीडिया कार्यशाला में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के 400 उम्मीदवार होने पर मतपत्र से मतदान कराने की बात के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न पर कही। मुख्यमंत्री निवास से राजनीतिक गतिविधियों के संचालन संबंधी कांग्रेस की शिकायत पर कहा कि यह मेरे देखने में नहीं आया है, पर जानकारी लेंगे। एक सीट पर 384 से अधिक उम्मीदवार होने के प्रश्न को काल्पनिक बताते हुए उन्होंने कहा कि देश में अभी कहीं इस तरह की स्थिति सामने नहीं आई है। पहले चरण की छह सीटों में सर्वाधिक 19 उम्मीदवार जबलपुर में हैं। यहां दो बैलेट यूनिट लगेंगी। हमने मतदान को लेकर सभी तैयारियां कर ली हैं। इस बार 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं को डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा मिलेगी। विधानसभा चुनाव में यह 80 वर्ष थी। लोकसभा चुनाव कार्य में संलग्न रहने वाले अधिमान्य पत्रकारों को भी डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा मिलेगी। फेक न्यूज से बचने की सलाह फेक न्यूज से बचने की सलाह देते उन्होंने कहा कि प्रामाणिक व तथ्यपरक खबरें ही दी जानी चाहिए। अभी पिछले दिनों एक खबर चली कि यदि मतदान नहीं किया तो 300 रुपये बैंक खाते से सीधे कट जाएंगे। जबकि, सभी जानते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं है। वहीं, संयुक्त निर्वाचन पदाधिकारी मनोज खत्री ने कहा कि पत्रकार आयोग के आंख और कान हैं। कई बार आपके माध्यम से वे जानकारी मिलती हैं, जो प्रशासन की नजरों में नहीं आ पाती हैं। शपथ पत्र को लेकर उन्होंने कहा कि रिटर्निंग आफिसर यह देखते हैं कि नामांकन पत्र पूरा भरा होना चाहिए। कोई भी कालम खाली न हो। शपथ पत्र की जांच वे नहीं करते हैं। यदि कोई आपत्ति आती है तो उसे भी प्रदर्शित किया जाता है।

छिंदवाड़ा के पांढुर्ना में भावुक हुए पूर्व मुख्यमंत्री

जनता से बोले कमलनाथ- मैं अंतिम सांस तक आपकी सेवा करूंगा

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र के पांढुर्ना में आयोजित एक जनसभा में भाषण देते हुए अपनी संवादिता को साझा किया। उन्होंने कहा मैं कहना चाहता हूं कि मैं अंतिम सांस तक आपकी सेवा करूंगा। मेरा पूरा जीवन आपके लिए समर्पित है। कमलनाथ ने आगे कहा, जब मैं मुख्यमंत्री था, तो भाजपा मेरे ऊपर आरोप लगाती थी कि मैं सबसे ज्यादा काम छिंदवाड़ा के लिए करता हूं। मैं उनसे कहता था कि अगर मैं अपने जिले के लिए काम नहीं कर सकता तो दूसरे जिलों के लिए कैसे करूंगा। वह आगे बोले, किसान कर्ज माफी में मैंने पहली किस्त में पांढुर्ना में 80000 किसानों का कर्ज माफ किया। आपके काम करना मेरी जिम्मेदारी है। पिछले 20 साल से प्रदेश में भाजपा की सरकार है लेकिन क्या आपका कोई काम रुका। उन्होंने भाजपा को लेकर कहा, भाजपा वाले आपसे बहुत सी बातें करेंगे लेकिन मैं जानता हूं कि काम कैसे कराया जाता है। आपका कोई काम नहीं रुकेगा। समापन में, वह अपनी संवादिता को

और एक बार साझा करते हुए बोले, अंत में मैं कहना चाहता हूं कि मैं अंतिम सांस तक आपकी सेवा करूंगा। मेरा पूरा जीवन आपके लिए समर्पित है।

प्रियानाथ बोलीं-अग्नि परीक्षा के समय हमें अपनों ने धोखा दिया

भोपाल। कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने पर सांसद नकुलनाथ की पत्नी प्रियानाथ ने कहा, जब मैं पिता कमलनाथ को देखती हूं तो बहुत दुख होता है। जिन्हें हमने अपना समझा, अपने परिवार की तरह प्यार दिया, कमलनाथ जी ने आशीर्वाद दिया, जब उनकी अग्नि परीक्षा का समय आया तो उन्होंने धोखा दिया। छिंदवाड़ा के चौरई में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा इस बात से दुख जरूर होता है, क्योंकि दिल से हमने उन्हें माना था, लेकिन हम एक नई क्रांति के साथ आगे बढ़ेंगे। हम 44 साल से साथ थे, साथ हैं और वो शक्ति पैदा नहीं हुई, जो 44 दिन में यह रिश्ता खत्म कर दे। प्रियानाथ ने कार्यकर्ताओं से कहा, हम में से कोई कभी हिम्मत नहीं हारेगा। मैं बिल्कुल भी डरी नहीं हूं। प्रियानाथ सोमवार को चौरई में कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन में पहुंची थीं।

सांसद नकुलनाथ की पत्नी प्रियानाथ ने गेहूं काटा

छिंदवाड़ा सांसद नकुलनाथ की पत्नी प्रियानाथ का अनोखा अंदाज देखने को मिला। प्रियानाथ ने पांढुर्णा विधानसभा क्षेत्र के चौरई बैतूल में गेहूं की कटाई की। उन्होंने देखा कि कुछ महिलाएं खेत में गेहूं काट रही हैं तो वे उनसे मिलने के लिए खुद को रोक नहीं पाईं। उन्होंने अपना काफिला रुकवाया और खेत में जाकर महिलाओं से मिलीं। इस दौरान उन्होंने गेहूं काटा।

दूरदर्शन पर लाइव कार्यक्रम हैलो डीडी : में सारिका ने मतदान और मानव अधिकारों का संबंध बताते हुए किया जागरूक

मतदान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं नवमतदाता

भोपाल। दूरदर्शन एमपी के लाइव फोन प्रोग्राम हैलो डीडी में मतदान और मानव अधिकार विषय पर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस मनोहर ममतानी ने प्रदेश के मतदाताओं के प्रश्नों के जवाब दिए। इस लाइव कार्यक्रम में उनके साथ स्वीप आईकॉन सारिका घारू भी शामिल हुई। कार्यक्रम में कोचिंग संस्थान में पढ़ रहे नवमतदाताओं एवं बाहर नौकरी कर रहे मतदाताओं को उनके गृहनगर में मतदाता सूची में नाम होने के कारण मतदान के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। जस्टिस मनोहर ममतानी ने दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। इसके अलावा मतदाता सूची में दोहरे नाम , मतदान के लिये किसी दबाब में न आने सबंधी प्रश्नों का समाधान किया। उन्होंने निर्वाचन के अधिकार को प्रयोग करते

हुये मानव अधिकारों के साथ इसके संबंध को बताया। प्रोग्राम प्रोडयूसर कुलदीप नारायण के निर्दशन में एंकर पूजा सिंह के साथ सारिका घारू ने मध्यप्रदेश के दर्शकों के मतदान प्रक्रिया संबधी शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में सारिका ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन एवं नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में चलाई जा रही नवाचारी स्वीप गतिविधियों को बताया

प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया ने मुंगावली में पति के लिए मांगा वोट

18 साल पहले सिखाया था जीना यहां मरना यहां

भोपाल। गुना-शिवपुरी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया की पत्नी प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया मुंगावली (अशोकनगर) में मातृ शक्ति संवाद में शामिल होने के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में मात्र शक्तियों से वोटिंग के दिन घर से निकलकर अपने पति के लिए वोट करने की अपील की। प्रियदर्शिनी राजे ने कहा, मैं 18 साल की थी जब यहां आई थी। उस समय हमें एक चीज सिखाई गई थी कि जीना यहां मरना यहां। जो भी काम करना है, वो यहां खुशी बांटना, दुख में रहना। यहां मुंगावली शहर में जब हम पहले आए थे, इतना बड़ा शहर नहीं हुआ करता था। काफी महिलाएं जो हमारी बहनें हैं, जिनकी शादी पांच साल पहले हुई होगी, उनको भी नहीं मालूम होगा कि मुंगावली में क्या होता था। कैसे रहते थे लोग, आज मुंगावली में रोड, ट्रेन कनेक्शन, अस्पताल और स्कूल खुल गए हैं और खुल भी रहे हैं। यह सब महाराज का 20 साल का प्रयास है, काम कभी एक दिन में शुरू नहीं होता। महाराज भी आप सब से पांच साल में एक चीज मांगते हैं महाराज भी आप सबसे पांच साल में एक चीज मांगते हैं।

मानव संग्रहालय में गोल्फ कार्ट का संचालन शुरू, सैलानियों को होगी सहूलियत

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में भ्रमण के लिए आने वाले दर्शकों के लिए गोल्फ कार्ट की सुविधा शुरू कर दी गई है। इस सेवा का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। इससे दर्शक अब अपनी मनचाही प्रदर्शनी का अवलोकन कम समय में कर पाएंगे। मानव संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडेय ने बताया कि अभी प्रवेश द्वार क्रमांक एक से छह सीट वाली और प्रवेश द्वार क्रमांक दो से दस सीट वाली एकङ्कएक गोल्फ कार्ट की सेवा शुरू की गई है। बाद में जरूरत के हिसाब से कार्ट की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस गोल्फ कार्ट में छह सीट वाली का किराया दो घंटे के लिए तीन सौ रुपये और 10 सीट वाली के लिए किराया दो घंटे के लिए पांच सौ रुपये होगा। इस अवसर पर गोल्फ कार्ट सेवा के पहले चरण का संचालन करने वाले संस्थान दौलत राम इंजीनियरिंग के प्रतिनिधि देवाशीष शर्मा ने बताया कि गोल्फ कार्ट की सेवाएं एक समूह में या प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से भी ले सकते हैं। टिकट पचास रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से होगा, पर पूरी छह सीट बुक होने पर ये सुविधा मिलेगी। यह पर्यटकों को अलग-अलग प्रदर्शनी स्थल के पास सीधे पहुंचने और धूप, गर्मी या सर्दी में पैदल चलने की चिंता से बचाएगा। पहले जब पर्यटक पैदल प्रदर्शनी स्थल तक जाते थे, तो उन्हें विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता था, अब संग्रहालय का भ्रमण और भी आरामदायक होगा। यह रहेगा शेड्यूल

जारी होगा लुकआउट नोटिस, दो आरोपी कर रहे अग्रिम जमानत का प्रयास

आरजीपीवी के पूर्व कुलपति, रजिस्ट्रार व वित्त नियंत्रक फरार

भोपाल। भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के पूर्व कुलपति, रजिस्ट्रार और सेवानिवृत्त वित्त नियंत्रक पर धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस ने अब उनकी तलाश शुरू कर दी है। पांच नामजद आरोपियों में निजी बैंक के कर्मचारी कुमार मयंक को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में हुए खुलासे के बाद आरजीपीवी के पूर्व कुलपति प्रो. सुनील गुप्ता और निलंबित पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. आरएस राजपूत और सेवानिवृत्त वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा की तलाश शुरू की है। हालांकि, पुलिस को कई स्थानों पर दबिश देने के बाद भी इन तीनों आरोपियों का कोई पता नहीं चला है। पुलिस को इतना पता जरूर चला है कि आरजीपीवी द्वारा भोपाल के गांधी नगर थाने में जब इनके खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया गया, इसके बाद से ही तीनों भोपाल छोड़ कर बाहर चले गए हैं। तीनों का मूवमेंट भोपाल में नहीं दिख रहा है। पुलिस ने गिरफ्तारी के प्रयास इसलिए भी तेज कर दिए हैं कि पूर्व कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने भोपाल जिला अदालत में अग्रिम जमानत की याचिका दायर की है और इस मामले में जल्द सुनवाई होने जा रही है। हालांकि, पूर्व रजिस्ट्रार प्रो. आरएस राजपूत की अग्रिम जमानत याचिका भोपाल जिला अदालत पुलिस की आपत्ति के बाद खारिज कर चुकी है। विदेश न भागने पाए, इसलिए लुकआउट नोटिस जारी होगा इस मामले की जांच कर रही एसआईटी को भोपाल में दर्जन भर से अधिक ठिकानों पर छापेमारी में जब तीनों प्रमुख आरोपी नहीं मिले। इसके बाद पता चला कि ये तीनों आरोपी प्रकरण दर्ज होने के बाद भोपाल छोड़ चुके हैं। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि कहीं यह आरोपी विदेश न भाग जाएं, इसलिए मामले की गंभीरता को देखते एसआईटी ने लुक आउट नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसआईटी ने लुकआउट नोटिस जारी करने का प्रस्ताव बनाकर भोपाल पुलिस आयुक्त के जरिए गृह विभाग को भिजवाया है। यहां से सरकार के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्रालय को प्रस्ताव जाएगा और वहां से लुक आउट नोटिस आरोपियों के खिलाफ जारी किया जाएगा। तीन टीमें दबिश दे रहीं एसआईटी प्रमुख एडीसपी जोन-4 मलकियत सिंह ने बताया कि आरजीपीवी को लेकर दर्ज मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी की तीन टीमें दबिश दे रही हैं। आरोपियों के संबंध में जहां सूचना मिलती है, वहीं पुलिस दबिश देती है। मंगलवार को दो स्थानों पर दबिश दी, लेकिन किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। लुकआउट नोटिस का प्रस्ताव बनाकर भेज दिया है, लेकिन अभी तक कोई सूचना नहीं आई है। फर्जीवाड़ा करके करोड़ों का किया है घोटाला जानकारी के अनुसार आरजीपीवी के बैंक खाते से 19.48 करोड़ रुपये एक निजी व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। इसके साथ ही 9 करोड़ से अधिक की राशि सोहागपुर की दलित संघ नाम की संस्था के नाम भी जारी की गई है। निजी खाते में राशि भेजने के लिए विश्वविद्यालय के तत्कालीन रजिस्ट्रार प्रो. आरएस राजपूत और वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा ने फर्जी नोटशीट तैयार कराई। नोटशीट में दोनों बैंक खातों को विश्वविद्यालय का बैंक खाता लिखा गया, ताकि विश्वविद्यालय के ऑडिट में करोड़ों की हेराफेरी पकड़ी न जा सके।

दो मौसम प्रणालियां सक्रिय होने से दिन का पारा गिरा

ऊंचाई के स्तर पर हवा का रुख उत्तरी बना रहने से रात के तापमान में भी हुई कमी

भोपाल। वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर दो मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं। इनकी वजह से हवाओं का रुख बदल रहा है। इससे ऊंचाई के स्तर पर बादल बने रहने से दिन के तापमान में गिरावट हुई है। उधर, ऊंचाई के स्तर पर हवा का रुख उत्तरी बना रहने से रात के तापमान में भी कमी दर्ज की जा रही है। इस वजह से फिलहाल गर्मी से कुछ राहत मिली हुई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ अभी सक्रिय है। दूसरा पांच अप्रैल को आने वाला है। इस वजह से अभी दिन के तापमान में अधिक बढ़ोतरी होने की संभावना कम है।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी

विक्षोभ ईरान के आसपास है। दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश से द्रोणिका के रूप में बना हुआ लेकर तमिलनाडु तक एक द्रोणिका बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में हवाओं का रुख दक्षिण-पश्चिमी बना हुआ है। द्रोणिका के प्रभाव से हवाओं के साथ कुछ नमी आ रही है। इस वजह से ऊंचाई के स्तर पर बादल बने हुए हैं। इस वजह से दिन के तापमान में विशेष बढ़ोतरी नहीं हो रही है। साथ ही ऊंचाई के स्तर पर हवाओं का रुख उत्तरी भी बना हुआ है। इस वजह से रात के तापमान में भी कमी आ रही है। इस वजह से गर्मी के कारण रात में हो रही बेचैनी से राहत मिल गई है। उधर पांच अप्रैल को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के भी उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। इस वजह से इस सप्ताह दिन-रात में तापमान में अधिक बढ़ोतरी होने के आसार कम ही हैं।

संपादकीय

भीषण युद्ध और तख्त बदलते देखे गुरुराम राय के झण्डे ने

उदासीन पन्थ की परम्परानुसार होली के ठीक पांचवें दिन गुरुराम राय दरबार में आरोहण के साथ ही झण्डा साहिब एक बार फिर पूरी शानों-शौकत से लहरा गया। यह ऐतिहासिक झण्डा न केवल देहरादून में गुरु रामराय के डेरे की स्थापना का प्रतीक है बल्कि देहरादून के जीवनकाल के 348 सालों के इतिहास का भी जीता जागता गवाह है। इन सैकड़ों सालों में इस झण्डे ने गढ़वाल नरेश की शहादत के साथ ही गोरखों के राज और फिर गोरखों के पतन के साथ ही अंग्रेजों की हुकुमत भी देखी है। उदासीन संप्रदाय का यह परचम उत्तराखण्ड आन्दोलन के बाद नए राज्य के जन्म का गवाह बना। उदासीन पंथ का कुंभ है झंडा मेला उत्तराखण्ड की अस्थाई राजधानी स्थित गुरु रामराय दरबार में होली के पांचवें दिन दरबार के दसवें महन्त देवेन्द्र दास द्वारा झण्डारोहण के साथ ही उत्तर भारत का विख्यात झण्डा मेला भी शुरू हो गया। यह मेला न केवल देहरादून में गुरु राम राय के डेरे की स्थापना की जयन्ती है बल्कि देहरादून शहर की स्थापना का भी समारोह है जिसका दूनवासी सालभर से इन्तजार करते हैं। इसने देहरादून के खुड़बुड़ा में रामराय के डेरे की स्थापना के बाद की तीन सदियों में कई उतार चढ़ाव और कई तख्त बदलते देखे हैं। इस अवसर पर पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत उत्तर भारत के उदासीन पंथ श्रद्धालु हजारों की संख्या में एकत्र होकर विशालकाय पवित्र झंडा जी के आरोहण के साक्षी बनने के साथ ही झंडे पर वस्त्र और भेंट चढ़ाते हैं। सिखों के सातवें गुरू के जेष्ठ पुत्र थे राम राय ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार औरंगजेब के दरबार में हाजिर होने पर अपने पिता और सिखों के सातवें गुरु हर राय द्वारा घर से बेदखल किए जाने पर जब राम राय घर छोड़ कर नए ठिकाने के लिए यात्रा पर निकले थे तो वह लाहौर पहुंचे और वहां से अवध और आगरा होकर देहरादून के खुड़बुड़ा में ठहरे। इस दरबार की स्थापना बाबा राम राय ने 17वीं शताब्दी के मध्य में तब की थी, जब उन्हें मुगल बादशाह औरंगजेब के सामने अपने पवित्र ग्रंथ में एक शब्द की समुदाय द्वारा अस्वीकृत व्याख्या करने के लिए निर्वासित होना पड़ा था। माना जाता है कि औरंगजेब के हमले से बचने के लिए उसके समक्ष अपने ग्रंथ में उल्लिखित ''मुसलमान'' शब्द को बदल कर 'आस्था विहीन' कर दिया था। इतिहासकारों के अनुसार औरंगजेब से अच्छे संबंधों के चलते उन्हें इस स्थान पर गढ़वाल नरेश से जमीन आदि सुविधाएं मिली। गुरुराम राय दरबार परिसर में मुगलकालीन स्थापत्य आज भी देखा जा सकता है। देहरादून का नामकरण रामराय के डेरे से बाद में उन्होंने आचार्य श्रीचन्द के शिष्य बालू हसना से उदासीन पन्थ की दीक्षा ली और यहीं तपस्या करने लगे। कहा जाता है कि गुरु राम राय ने इसी दिन चैत्र माह की पंचमी को सन् 1676 में वर्तमान झण्डा साहिब के स्थान पर झण्डा गाढ़ कर अपना डेरा जमा दिया था। बाद में औरंगजेब ने गढ़वाल नरेश फतेहशाह को राम राय को हर सम्भव मदद करने का आदेश दिया। इस मुगल फरमान पर राजा ने गुरु राम राय को 7 गांव जागीर में दिए। ये 7 गावं आज एक महानगर देहरादून के रूप में विकसित हो गए। ऐसा माना जाता है कि गुरु राम राय के इस डेरे से देहरादून का नामकरण हुआ। 'दून' घाटी में 'डेरा' यानि कि शिविर होने से इस स्थान का नाम ' 'डेरा दून'' पड़ा जो कालान्तर में देहरादून हो गया। कुछ विद्वान इसका नाम द्रोणाचार्य की तपस्थली के रूप में मानते हैं, इसीलिए इस अवसर को लोग देहरादून का जन्मदिन भी मानते हैं। वास्तुकला का बेजोड़ नमूना गुरुराम राय दरबार मंदिर का केंद्रीय परिसर बाबा राम राय की मृत्यु के बारह साल बाद 1699 में पूरा हुआ और संपूर्ण संरचनात्मक कार्य 1703 और 1706 के बीच समाप्त हो गया। माना जाता है कि अलंकरण और पेंटिंग का काम संरचनात्मक पूरा होने के बाद भी लंबे समय तक जारी रहा। बाबा राम राय की पत्नी माता पंजाब कौर ने निर्माण कार्य की देखरेख की और 1741-42 में अपनी मृत्यु तक दरबार के मामलों का प्रबंधन किया। किलानुमा गुरु राम राय दरबार की प्राचीर के चारों तरफ प्रवेश द्वार खुलते हैं और उनके ऊपर मीनारें बनीं हैं। पश्चिमी छोर पर विशाल फाटक के सामने सफेद सीढ़ीनुमा गोल चबूतरा नजर आता है । इसी चबूतरे पर खड़ा है आस्था का वह प्रतिबिंब है, झण्डा साहिब। गुरु रामराय महाराज ने 1699 में धामावाला में झंडा दरबार की स्थापना की। यह मुगल वास्तुकला की अनूठी प्रतिकृति है, जिसे 1707 में उनकी चार में से सबसे छोटी पत्नी पंजाब कौर ने भव्यरूप प्रदान किया। चित्रकार की अनूठी कृति दरबार साहिब के महराबों पर अंकित फूल-पत्तियां, पशु-पक्षी, वृक्ष, ऊंची नासिका वाले एक जैसे चेहरे, बड़े नेत्र और उनकी रंग योजना कांगड़ा-गुलेर और मुगल शैली के मिश्रण हैं। ऊंची मीनारें और गोल बुर्ज मुस्लिम वास्तुकला के ऐसे नमूने हैं। दरबार साहिब और उसके चारों ओर बसा झंडा मोहल्ला वर्तमान देहरादून का मूल है। इसमें एक ऐतिहासिक-सांस्कृतिक परंपरा समाहित है जो देहरादून में पनपी और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल व दिल्ली तक फैल गई। गढ़वाल नरेश और गोरखों का युद्ध देखा इस झंडे ने अतीत के गवाह इस झण्डा साहब ने 1804 में इसी के पास खुड़बुड़ा में गोरखों और गढ़वाल नरेश का तुमल संग्राम देखा जिसमें हाथी पर सवार महाराजा प्रद्युम्न शाह की आंख में गोली लगने से वह शहीद हो गए और गढ़वाल राज्य अंग्रेजों के अधीन हो गया।इसने फिर 10 साल बाद खलंगा का युद्ध देखा जिसमें गोरखा जनरल बलभद्र बड़ी बहादुरी से तो लड़ा मगर अन्ततः अंग्रेजों ने उसे खलंगा का दुर्ग छोड़ कर पंजाब की ओर भाग जाने पर विवश कर दिया। दुर्ग के पतन के बाद गढ़वाल गोरखों के अत्याचारी शासन से मुक्त हुआ। बलभद्र के बचेखुचे गोरखा सैनिक खलंगा दुर्ग से बच कर निकले तो फिर सिखों के साथ मिल गए। गोरखा राज के पतन के बाद इस झण्डा साहिब ने गढ़वाल के नए राजा सुदर्शन शाह को गद्दीनसीं होते तो देखा मगर उसका आधा गढ़वाल देहरादून समेत अंग्रेजों के पास चला गया। दरअसल ईस्ट इंडिया कंपनी ने गोरखा आंग्ल युद्ध में गोरखा कमांडर बलभद्र सिंह को 1815 में खलंगा दुर्ग से भगाकर 1816 में देहरादून समेत गढ़वाल राज्य के एक हिस्से को अपने अधीन कर देहरादून को सुप्रीटेंडेंट के तौर पर फेड्रिक जे. शोर के हवाले कर देहरादून को 1819 में सहारनपुर जिले में मिला दिया था। सन् 1975 में देहरादून को गढ़वाल कमिश्नरी में मिला दिया गया। देहरादून के बाद अंग्रेजों ने मसूरी खोजी और वहां अपनी बसागत बना ली। इस प्रकार देहरादून जिले पर लंबे समय तक अंग्रेजों का प्रभाव रहा। अन्ततः नब्बे के दशक का वह प्रचण्ड उत्तराखण्ड आन्दोलन भी देखा जिसके आगे भारत सरकार को झुकना पड़ा और उत्तर प्रदेश का विभाजन कर उत्तराखण्ड राज्य बनाना पड़ा जिसकी अस्थाई राजधानी भी देहरादून ही बनी।

तकनीकः टाइम पास बन गया है सोशल मीडिया अधिकांश लोग ले रहे हैं निष्क्रिय अनुभव का आनंद

वर्ष 2010 में जो सोशल मीडिया आशाओं-उम्मीदों का प्रतीक बनकर उभर रहा था, वह 2020 आते-आते फेक न्यूज और लोगों के राजनीतिक विचारों को प्रभावित करने जैसे आरोपों का शिकार हो गया। महज दस साल में ही लोग अब सोशल मीडिया पर अपनी राय पोस्ट करने से परहेज करने लगे हैं। पोस्ट करने से आशय टेक्स्ट, इमेज फॉर्म में अपने आपको अभिव्यक्त करने से है। लोग लॉग इन तो करते हैं, पर बहुत कम लोग ही पोस्ट कर रहे हैं। लोग प्रतिदिन लगभग दो घंटे इंस्टाग्राम, फेसबुक या एक्स जैसे सोशल मीडिया को स्क्रॉल करते हुए समय बिताते हैं, लेकिन उनकी आखिरी पोस्ट एक साल पहले की होती है। कभी-कभी लोग स्टोरी जरूर शेयर करते हैं, लेकिन वह चौबीस घंटे बाद गायब हो जाती है। किसी तरह के विवाद से बचने के लिए लोग अब यह सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि इस बात पर झगड़ने की जरूरत नहीं है कि किसने किसे वोट दिया या कोई क्या सोचता है। अब वे आमने-सामने या समूह चैट को प्राथमिकता देते हैं, जिसे %निजी नेटवर्किंग% कहा जा रहा है। उपयोगकर्ताओं के सर्वेक्षण और डाटा-एनालिटिक्स फर्मों के शोध के अनुसार, अरबों लोग सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, पर वे कम पोस्ट कर रहे हैं और ज्यादातर निष्क्रिय अनुभव का आनंद ले रहे हैं। वे अब भी लोगों की सोशल मीडिया फीड देखने या रील देखने में समय बिता रहे हैं, लेकिन वे अब अपनी राय रखने में उतने सक्रिय नहीं रहे हैं। यानी यह टाइम पास करने का जरिया बन चुका है, डाटा-इंटेलिजेंस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट की अक्तूबर रिपोर्ट में, सोशल-मीडिया अकाउंट वाले 61 प्रतिशत वयस्क अमेरिकी उत्तरदाताओं ने कहा कि वे जो पोस्ट करते हैं, उसके बारे में ज्यादा चयनात्मक हो गए हैं, यानी अब लोग क्या पोस्ट करना है, उसके बारे में सोचने लग गए हैं। भारत भी अपवाद नहीं है। भले ही अपने विशाल सोशल मीडिया यूजर बेस के कारण यहां ऐसा नहीं दिखता, पर अब लोग सोशल मीडिया पर कम पोस्ट शेयर कर रहे हैं। इसके कई कारण हैं। इस शोध के हिसाब से लोग मानने लगे हैं कि वे जो सामग्री देखते हैं, उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। वे अपने जीवन को ऑनलाइन साझा करने के प्रति भी अधिक सुरक्षात्मक हो गए हैं और उन्हें अपनी निजता की भी चिंता होने लगी है। सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स की बढ़ती संख्या के कारण भी लोगों का मजा किरकिरा हुआ है। यह सोशल मीडिया कंपनियों के व्यवसाय के लिए खतरा है। उपयोगकर्ताओं के ज्यादा से ज्यादा शेयर करने के कारण ही वे दुनिया की सबसे शक्तिशाली कंपनियों और प्लेटफार्मों में से एक बन गए हैं। मजेदार बात यह है कि इनमें से कोई भी कंपनी कोई उत्पाद नहीं बनाती है, फिर भी ये दुनिया की बड़ी और लाभकारी कंपनियां बन गई हैं। जाहिर है, लोगों के कुछ कहने की आदत के कारण यानी सिर्फ यूजर जेनरेटेड कंटेंट के कारण ये कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं। भारत में बेशक अभी अमेरिका जैसी स्थिति नहीं है, पर लोग अपनी निजता की सुरक्षा के लिए सब कुछ सोशल मीडिया पर डालने की मानसिकता से किनारा कर रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण सोशल मीडिया एकाउंट का उपयोग मार्केटिंग और ब्रांडिग के लिए किए जाने के अलावा मीडिया लिट्रेसी का प्रचार-प्रसार भी है। वैसे भी सोशल मीडिया पर आते ही उपभोक्ता डाटा में तब्दील हो जाता है। इस तरह देश में हर सेकंड असंख्य मात्रा में डाटा जेनरेट हो रहा है, जिसका फायदा इंटरनेट के व्यवसाय में लगी कंपनियों को हो रहा है। आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया से भारत में कितने रोजगार पैदा हुए, इसका उल्लेख नहीं मिलता, क्योंकि ये सारी कंपनियां इनसे संबंधित आंकड़े सार्वजनिक नहीं करतीं। साथ ही प्रत्यक्ष रोजगार के काफी कम होने का संकेत इन कंपनियों के कर्मचारियों की कम संख्या से प्रमाणित होता है। अब सोशल मीडिया कंपनियां उपयोगकर्ताओं को ज्यादा व्यक्तिगत अनुभव देने की ओर अग्रसर हैं। वे मैसेजिंग जैसे अधिक निजी उपयोगकर्ता अनुभवों में निवेश कर रही हैं और बातचीत को ज्यादा सुरक्षित बना रही हैं, जिसमें लोगों को अंतरंग साथियों के लिए पोस्ट करने के लिए प्रोत्साहित करना भी शामिल है। हाल ही में इंस्टाग्राम ने क्लोज फ्रेंड्स फीचर जारी किया है। इन सबके बावजूद सोशल मीडिया से लोगों की बढ़ती अरुचि किसी नए माध्यम के विकास का बहाना बनेगी या नए यूजर की बढ़ती संख्या इसे ही बनाए रखेगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

उड़ान भी अब बदल गई है... और

उड़ने वालों की जमात भी

कवि रामधारी सिंह दिनकर ने 1950 के दशक में अपनी वारसॉ की विमान यात्रा के बारे में लिखा था। कौतुहल और भय से भरा हुआ उनका गद्य उड़ान की व्याकुलता के बारे में था, जिसे एयर इंडिया की पत्रिका में प्रकाशित किया गया था। उस गद्य में उड़ान के अनुभव के बारे में उन्होंने अपनी भावनाओं को साझा किया था, जो दशकों बाद भी मेरे दिमाग में गूंजती हैं। उन्होंने लिखा था- हवाई यात्रा, स्वभाव से ही जरा संकट की यात्रा होती है और मुझ जैसे डरपोक लोग जब भी हवाई जहाज पर कदम धरते हैं, वे यह सोच लेते हैं कि अब तक जो जी लिया, अब अगर आगे भी जीना होगा, तो जहाज सकुशल धरती पर लौट आएगा। वैसे तो दिनकर जी की तरह मैं भी एक डरपोक किस्म की इंसान हूं। हालांकि कई वर्षों पहले की बात है, जब मैंने दिल्ली से देहरादून के लिए एक घरेलू उड़ान ली थी। यह मेरी एक छोटी-सी विमान यात्रा थी, क्योंकि उड़ान भरने के कोई 10 मिनट बाद ही कैप्टन ने घोषणा की और केबिन क्रू को लैंडिंग के लिए तैयार होने के लिए कहा। कह सकती हूं कि यह मेरी एक सर्वश्रेष्ठ उड़ान थी। मेरी घेरलू सहायिका भी मेरे साथ पहली बार विमान से यात्रा कर रही थी और वह मेरी बगल में बैठी थी। उड़ान के दौरान वह बहुत सहज महसूस कर रही थी, उसका यह रवैया ठीक मेरे विपरीत था, जबकि मैं जब छोटी-सी बची थी, तभी से विमान यात्रा कर रही हूं। वह काफी सहज होकर विमान में परोसे गए भोजन का आनंद ले रही थी, खिड़की के बाहर तैरते हुए बादलों को देख रही थी और जब विमान ने उड़ान भरी या नीचे उतरने लगा, तो उसे अपने पेट में किसी प्रकार की हलचल महसूस नहीं हुई। कहने की जरूरत नहीं है कि उसका अनुभव मेरे अनुभव से बिल्कुल अलग था! हवाई यात्रा के दौरान मेरी घरेलू सहायिका ने एक बात जो नोटिस की और जिसकी तरफ उसने मेरा ध्यान दिलाया, वह थी हवाई अड्डे पर मौजूद अन्य यात्री, जो हवाई यात्रा कर रहे थे। इस बात ने उसे काफी आश्चर्यचकित किया, क्योंकि उसने मेरा ध्यान बिहारी मजदूरों के एक समूह की ओर दिलाया, जो दूसरे काउंटर पर अपनी पोटली की जांच करवा रहे थे। मेरी घरेलू सहायिका को यह सब देखकर विश्वास नहीं हो रहा था, क्योंकि उसने हवाई अड्डे पर ऐसे लोगों को देखने की कभी उम्मीद नहीं की थी। हालांकि समय के साथ चीजें बहुत बदल गई हैं। जो काफी बूढ़े लोग हैं, वे याद कर सकते हैं कि कैसे कुछ दशक पहले तक भारत में विमान से यात्रा करना मध्यवर्गीय भारतीयों के लिए एक ग्लैमरस मामला था। पहले जो लोग हवाई जहाज से यात्रा करते थे, वे अपनी उड़ानों के लिए अच्छे कपड़े पहनते थे। यात्रा के बाद उनके रवैये में एक खास तरह का बदलाव आ जाता था और उनकी खुशबू अलग होती थी। यह एक वर्गीय भावना थी। इकनॉमी क्लास में भी यात्रा केवल उच्च वर्ग के लोग ही करते थे। उदारीकरण ने और अधिक एयरलाइनों के लिए आसमां खोल दिया, लेकिन विमान यात्रा करना अब भी सभी के लिए आसान नहीं था, खासकर कड़ी मेहनत करने वाले उन बिहार के मजदूरों के लिए, जो छुट्टी में अपने घर लौट रहे थे। लेकिन वर्ष 2014 के बाद मोदी सरकार के प्रयासों से हवाई मार्गों और हवाई अड्डों के खुलने के साथ-साथ हवाई जहाजों के प्रतिस्पर्धी किरायों ने हवाई यात्रा को आम लोगों के लिए और अधिक सुलभ बना दिया है और हम सभी को इस बात पर गर्व महसूस करना चाहिए, यहां तक कि उन लोगों को भी, जो हवाई यात्रा करने से डरते हैं। हालांकि रेल से यात्रा करना पसंद करने के बावजूद मेरा मानना है कि नई वंदे भारत ट्रेन की सीटें किसी भी एयरलाइन की सीटों से कहीं अधिक आरामदेह हैं। पर मोदी सरकार के इस परिवर्तनकारी दृष्टिकोण से अलग जो उल्लेखनीय बात है, वह है सामान्य, कामकाजी वर्ग का आत्मविश्वास। और सिर्फ मध्यवर्गीय भारतीयों में ही नहीं, बल्कि श्रमिक वर्ग में भी उड़ान को लेकर यह आत्मविश्वास आया है। चेक-इन के समय की औपचारिकताओं को पूरा करने में मुझे अपनी घरेलू सहायिका की मदद करनी पड़ी। लेकिन उसने मुझे आश्वस्त किया कि अगली बार वह अपना आधार कार्ड और टिकट अपने हाथ में रखेगी और अकेले यात्रा करने में सक्षम होगी, क्योंकि चेक-इन प्रक्रिया सुव्यवस्थित और सहज थी, जिससे उसे अब कोई डर नहीं लगता था। रेल से यात्रा करना पसंद करने के बावजूद मुझे स्वीकार करना होगा कि यदि आप समय से पहले पहुंच जाते हैं, तो हवाई यात्रा में ट्रेनों में होने वाली अव्यवस्था नहीं होती है। हालांकि, श्रमिक वर्ग के रवैये में यह आत्मविश्वास, जिसमें उनकी पोटली और अन्य सामान की जांच करने वाले श्रमिकों का समूह भी शामिल है, एक गरिमा और गतिशीलता का संकेत देता है, जो हमारे देश के हवाई अड्डों पर शायद ही कभी देखा जाता था। मुझे लगभग बारह-तेरह साल पहले की बात याद आती है, जब मैंने मध्य पूर्व की यात्रा की थी, तब मैंने देखा कि हमारे देश के बहुत से लोग हवाई अड्डे पर उतरते समय एक साथ इकट्ठा हो गए थे और उन्हें अपनी आव्रजन सुविधाओं के लिए एक कोने में बैठा दिया गया था, वे वहां मजदूरों के रूप में काम करने के लिए गए थे। मुझे उन लोगों का मवेशियों की तरह झुंड बनाना, उनके भ्रमित चेहरे और उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार बहुत परेशान करने वाला लगा। मैंने भारत में अंतरराष्ट्रीय चेक-इन काउंटर पर एक व्यक्ति की मदद की थी, और जब वह दूसरों के साथ बैठा, तो उसने उनसे नजरें भी नहीं मिलाईं।

इस प्रक्रिया में गरिमा का पूरी तरह अभाव दिखा। अंतरराष्ट्रीय उड़ान की तो बात ही छोड़ दें, यह उन सभी के लिए पहली उड़ान थी। किसी अनजान मुल्क में होने, विमान से यात्रा करने और फिर विदेशी भाषा की सीमित जानकारी के साथ वहां की सरकार की जांच-प्रक्रिया से संबंधित संयुक्त आतंक के प्रति मैं सहानुभूति रखती हूं। इसने मेरा दिल तोड़ दिया। इसलिए अपने देश में इतने सारे श्रमिकों को विमान यात्रा करते देखकर मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत खुशी हुई। बेशक अधिकांश उड़ानें कम समय की रही हों, लेकिन यह एक लंबी छलांग है, जब उन लोगों के आत्मविश्वास और सम्मान की बात आती है, जो कठिन मेहनत करते हैं।

बंबई हाई कोर्ट में 'जय श्री राम' विवाद पर आज सुनवाई

बोकाडिया ने कहा, मामला पानी की तरह साफ है

दिग्गज फिल्म निर्माता-निर्देशक के सी बोकाडिया अपनी फिल्म 'तीसरी बेगम' में शरण मांगते व्यक्ति के 'जय श्री राम' कहने पर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की आपत्ति को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। 'अमर उजाला' से बातचीत में बोकाडिया कहते हैं, मेरी फिल्म का मामला पानी की तरह साफ है। और, देश की न्याय व्यवस्था में मुझे पूरा भरोसा है। राम राज्य परिकल्पना हमारे देश में शुरू से रही है है और मेरी फिल्म में 'जय श्री राम' शब्द रहेंगे या नहीं इस पर भी फैसला जल्द ही हो जाएगा, ऐसे मामलों में न्यायालय भी देर नहीं लगाता।'

दिग्गज निर्माता-निर्देशक के सी बोकाडिया ने अपने फिल्मी सफर के बीते 50 साल में हिंदी सिनेमा की तीन पीढ़ियों के दिग्गज सितारों के साथ फिल्में बनाई हैं। वह पहले निर्माता हैं जिन्होंने अमिताभ बच्चन की फीस एक करोड़ रुपये की थी, उन दिनों अमिताभ को एक फिल्म के 80 लाख रुपये मिला करते थे। बिना किसी पटकथा के अमिताभ को साइन करने वाले भी बोकाडिया पहले निर्माता-निर्देशक रहे हैं। मिथुन चक्रवर्ती की तकदीर बदल देने वाली फिल्म 'प्यार झुकता नहीं' और जैकी श्रॉफ को घर घर पहुंचा देने वाली फिल्म 'तेरी मेहरबानियां' भी बोकाडिया ने ही बनाई हैं।

इन दिनों बोकाडिया अपनी नई फिल्म 'तीसरी बेगम' को लेकर सुर्खियों में हैं। ये फिल्म बोकाडिया ने उन लोगों का पर्दाफाश करने के लिए बनाई है जो हिंदू युवतियों को बरगला कर या बहका कर अपने घर ले आते हैं और ये भी नहीं बताते हैं कि उनकी शादी पहले भी हो चुकी है। फिल्म 'तीसरी बेगम' में भी ऐसी ही एक युवती की कहानी दिखाई गई है, जिसे एक मुस्लिम से प्यार हो जाता है और शादी के बाद उसे पता चलता है कि जिस शख्स से उसने शादी

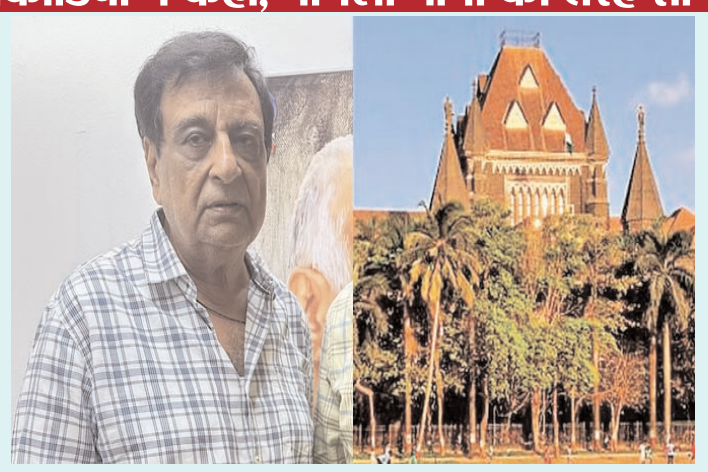

की है, उसकी दो बीवियां पहले से हैं। लेकिन, ये तीसरी बेगम हालात से समझौता करने से इन्कार कर देती है और इस परिवार में बगावत के बीज बो देती है।

निर्देशक के सी बोकाडिया ने बीते साल के आखिर में अपनी नई फिल्म 'तीसरी बेगम' के सेंसर सर्टिफिकेट के लिए आवेदन किया। फिल्म को सेंसर बोर्ड की परीक्षण समिति (एक्जामिनिंग कमेटी) ने देखने के बाद इसे सेंसर सर्टिफिकेट देने से ये कहते हुए मना कर दिया कि ये फिल्म समाज में प्रचलित सामान्य और औचक घटनाओं को एक परंपरा के रूप में दिखाती है। सेंसर बोर्ड ने बोकाडिया को 14 दिन का समय इस फिल्म को पुनरीक्षण समिति (रिवीजन कमेटी) के पास ले जाने का दिया और बोकाडिया ने इसके बाद फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट के लिए फिर से आवेदन किया।

के सी बोकाडिया बताते हैं कि सेंसर बोर्ज ने उन्हें 6 मार्च को एक पत्र भेजा जिसमें फिल्म 'तीसरी बेगम' को केवल वयस्कों के लिए प्रमाणपत्र के साथ जारी करने की रिवीजन कमेटी से मिली संस्तुति का जिक्र करते हुए उनसे फिल्म में 14 स्थानों पर कट्स या बदलाव करने को कहा गया है। बोकाडिया को सबसे ज्यादा दुख इन कट्स में से उस बिंदु को लेकर है जिसमें फिल्म से 'जय श्री राम' हटाने की बात कही गई है। उनके मुताबिक, राम हमारी आस्था के केंद्रबिंदु हैं और फिल्म में ये बात एक ऐसा किरदार कह रहा है जो खुद पर हमलावर हुए शख्स की शरण में है।

सेंसर बोर्ड की पुनरीक्षण समिति की इस रिपोर्ट को लेकर बोकाडिया बोर्ड की सीईओ स्मिता वत्स शर्मा और चेयरमैन प्रसून जोशी से मिलने की तमाम कोशिशें कर चुके हैं लेकिन इसके मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय जाने के बाद भी वह इसमें सफल नहीं हो सके। बोकाडिया पहले ही कह चुके हैं, 'मैं मर जाऊंगा लेकिन अपनी फिल्म से 'जय श्री राम' शब्द नहीं हटाऊंगा।' अब बोकाडिया ने इस बारे में बंबई उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। दिग्गज वकील अशोक सरावगी इस मामले को देख रहे हैं। बोकाडिया बताते हैं, 'बुधवार को इस मामले में नई जानकारी सामने आ सकती है। मामला चूंकि अब न्यायालय के विचाराधीन है, इसलिए इस पर इससे ज्यादा अब मैं कुछ नहीं कह सकता।'

क्या होता है जब कोई अभिनेता करता है कहानी का दूसरा सीजन, मनोज बाजपेयी ने समझाई पूरी प्रकिया

साइलेंस 2: द नाइट आउल बार शूटआउट का धमाकेदार ट्रेलर मंगलवार यानी 2 अप्रैल को जारी कर दिया गया। फैंस को इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार है। सस्पेंस से भरपूर इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर प्रशंसक की उम्मीदें काफी यादा बढ़ गई हैं। फिल्म में मनोज बाजपेयी अपने एसीपी अविनाश वर्मा के किरदार को दोहराते हुए नजर आने वाले हैं।

मनोज ने की किरदार पर बात

मंगलवार को इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें फिल्म की पूरी स्टार कास्ट नजर आई। कार्यक्रम के दौरान मनोज बाजपेयी ने सभी कलाकारों और क्रू की जमकर तारीफ की। फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान उन्होंने सीखा कि शांत कैसे रहा जाता है। कार्यक्रम के दौरान जब अभिनेता से पूछा गया है कि वे हर किरदार को बेहतरीन तरीके से कैसे निभा लेते हैं। इस पर मनोज ने कहा कि जब भी कोई अभिनेता दूसरा सीजन करता है तो उसे पहले सीजन वाले किरदार में खुद को ढालना पड़ता है, क्योंकि दोनों सीजन में गैप रहता है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान वे एसीपी अविनाश वर्मा के अतीत में घटी घटना के बारे में सोचते रहते थे, जिससे उन्हें इस किरदार को निभाने में आसानी हुई।

सेट पर कलाकारों में हो गई थी अच्छी बॉन्डिंग वहीं, प्राची देसाई ने इवेंट के दौरान कहा कि फिल्म के दूसरे भाग में काम करके वे बेहद खुश हैं। उन्होंने बताया कि जब उनके पास इस फिल्म के लिए फोन आया तो वे उत्साहित हो गई थीं और डायरेक्टर से कहा था कि इसे कब से शुरू करना है। अपने किरदार को दोबारा निभाने को लेकर उन्होंने कहा कि जब हम सीक्वल में काम करते हैं तो दो-तीन दिन के बाद आप खुद-ब-खुद किरदार में दोबारा ढलने लगते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि सेट पर हमारी बॉन्डिंग काफी अच्छी हो गई थी, इसलिए हमें सीन करने में काफी यादा आसानी हुई।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

साइलेंस 2 द नाइट आउल बार शूटआउट से दर्शक अंधेरे रहस्यों और अप्रत्याशित मोड़ों से भरी एक और मनोरम कहानी की उम्मीद कर सकते हैं। मनोज बाजपेयी ने एसीपी अविनाश वर्मा के रूप में अपनी भूमिका दोहराई है, उनके साथ प्राची देसाई इंस्पेक्टर संजना के रूप में दिखाई देंगी। इसे 16 अप्रैल से जी5 पर स्ट्रीम किया जा सकेगा।

प्राइम वीडियो पर 'रोड हाउस' हिट होते ही लगी लॉटरी, जिलेनहाल ने साइन की ये मेगा डील

जेक जिलेनहाल की फिल्म रोड हाउस अमेजन की सबसे बड़ी लॉन्च बन गई है, इस फिल्म को अब तक की 50 मिलियन दर्शकों ने देखा है। रोड हाउस की रिलीज के बाद अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने जेक जिलेनहाल की नाइन स्टोरीज कंपनी के साथ तीन साल का फर्स्ट-लुक डील साइन किया है। इस डील में अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के साथ फिल्म की थिएटर और ओटीटी स्ट्रीमिंग रिलीज भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि जिलेनहाल हाल ही में रोड हाउस में नजर आए थे, जो पैट्रिक स्वेज की फिल्म की रीमेक थी। यह फिल्म 21 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इसे दुनियाभर में अब तक 50 मिलियन से अधिक दर्शक देख चुके हैं। इससे पहले जिलेनहाल गाइ रिची की द कॉवेनेंट में नजर आए थे। इस फिल्म को एमजीएम

स्टूडियोज ने पिछले साल रिलीज किया था। जिलेनहाल ने साल 2015 में रीवा मार्कर के साथ नाइन स्टोरीज की स्थापना की थी। हाल ही में इस कंपनी ने एंटोनी फूक्वा की द गिल्टी का निर्माण किया। इस फिल्म में भी जिलेनहाल ने अभिनय किया था। इसके अलावा इस कंपनी ने पॉल डैनो के निर्देशन की पहली फिल्म वाइल्डलाइफ का भी निर्माण किया था, इस फिल्म में कैरी मुलिगन नजर आए थे। इसके अलावा कंपनी ने डेविड गॉर्डन ग्रीन की स्ट्रॉन्गर भी बनाई थी, जिसमें जिलेनहाल ने जेफ बाउमन की भूमिका निभाई थी, जो बोस्टन मैराथन बम विस्फोट में जीवित बचे जेफ बाउमन की कहानी थी। इसके अलावा भी कंपनी कई चर्चित फिल्मों का निर्माण किया। हालांकि, साल 2002 में मार्कर ने लिंडेन एंटरटेनमेंट के लिए नाइन स्टोरीज कंपनी छोड़ दी। इस डील को लेकर अमेजन एमजीएम स्टूडियो के जूली रैपापोर्ट ने कहा, जेक में एक अनोखी प्रतिभा है, फिल्म निर्माण के प्रति उनका जुनून साफ नजर आता है। कैमरे के सामने और पर्दे के पीछे कहानीकार के रूप में भी जेक शानदार हैं। रोड हाउस की रिकॉर्ड-तोड़ सफलता के बाद हम अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर और मजबूत बनाने चाहते थे, जिसके लिए यह सबसे बेहतर समय है। इस डील से आगामी फिल्में को लेकर हम काफी उत्सुक हैं।

डॉक्यूमेंट्री बॉर्न हंग्री की निर्माता बनीं प्रियंका चोपड़ा, बैरी एवरिच के साथ मिलाया हाथ

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा बीते दिनों भारत आई थीं। हालांकि, 31 मार्च को वह पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ यूएसए में अपने घर लौट गईं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने व्यक्त किया कि वे भारत में छुट्टियों के बाद प्रियंका चोपड़ा को अपने पेशेवर जीवन में फिर से काम करते देखना चाहते हैं। और अब, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 41 साल की डीवा और उनकी प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स बैनर बैरी एवरिच की नई फीचर डॉक्यूमेंट्री बॉर्न हंग्री की प्रोडक्शन टीम में शामिल हो गई हैं।

बॉर्न हंग्री की निर्माता बनीं प्रियंका चोपड़ा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मेलबार एंटरटेनमेंट ग्रुप और पर्पल पेबल पिक्चर्स ने एक साझेदारी की घोषणा की है, जिसमें अभिनेत्री

और निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस की पर्पल पेबल पिक्चर्स और बैरी एवरिच की आगामी डॉक्यूमेंट्री, बॉर्न हंग्री के पीछे की प्रोडक्शन टीम को एक साथ लाया गया है। प्रियंका चोपड़ा ने कहा, कहानी ने मुझे तुरंत मोहित कर लिया, न केवल भारत को प्रदर्शित करने का बल्कि उनकी यात्रा और अपने परिवार और खुद को खोजने के उनके गहन जुनून को भी दर्शाने का एक शानदार अवसर पेश किया।

बॉर्न हंग्री की कहानी

बॉर्न हंग्री एक छोड़ दिए गए भारतीय लड़के के बारे में एक सम्मोहक सची कहानी होने की उम्मीद है, जो भारत की विशाल रेलवे प्रणाली में घूमते हुए घर से बेहद दूर पहुंच जाता है। सैश सिम्पसन, चेन्नई की सड़कों पर कचरे के डिब्बे में खाना खाकर कठिन समय में जीवित रहता है। इसके बाद एक दयालु कनाडाई जोड़ा उसे बचाता है और गोद ले लेता है। अब, बिखरी हुई यादों के साथ, सैश भारत में अपने मूल परिवार को खोजने के लिए एक भावनात्मक यात्रा पर निकलता है।

प्रियंका चोपड़ा का भारतीय दौरा

14 मार्च को प्रियंका चोपड़ा और उनकी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस मुंबई आए। चार दिन बाद, निक जोनस भी उनके साथ शामिल हुए। परिवार ने कई भारतीय शहरों का दौरा किया, जिनमें अयोध्या, दिल्ली और मुंबई शामिल थे। उनकी यात्रा लगभग 17 दिनों तक चली। अब जोड़ा वापस यूएसए लौट चुका है।

बोनी कपूर ने माना, कहा-सलमान की वजह से अर्जुन कपूर बने अभिनेता

मुंबई ऐसा कहा जाता है कि अभिनेता अर्जुन कपूर और सलमान खान के बीच रिश्ता अब पहले जैसा नहीं रहा। मीडिया के साथ-साथ फैंस के बीच भी ये चर्चा फैल गई है। हालांकि, निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर ने अपने बेटे को अभिनेता बनाने का श्रेय सलमान खान को दिया है। अब बोनी कपूर ने माना कि सलमान और अर्जुन के रिश्ते अब बहुत अच्छे नहीं हैं। बोनी कपूर ने इस बात पर भी कमेंट किया हैं।कहा जा रहा है कि पिता बोनी कपूर ने भी नहीं सोचा था कि उनका बेटा अर्जुन कपूर अभिनेता बन सकते हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में बोनी कपूर ने कहा कि अर्जुन का सवाल है कि भले ही मैं मोना से अलग हो गया लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि अर्जुन एक्टर बनना चाहते हैं। फिर सलमान ने मुझे फोन किया और बताया कि वह एक्टर बनने जा रहे हैं।बोनी ने कहा कि सलमान ने अर्जुन की जिम्मेदारी संभाली और उनका वजन कम किया। जहां तक अर्जुन की बात है तो मैं इसका श्रेय सलमान को देता हूं। उन्होंने ये भी माना कि अब उनके बीच रिश्ते पहले जैसे अच्छे नहीं हैं, लेकिन सलमान ने अर्जुन पर काफी मेहनत की। बोनी कपूर ने कहा कि सलमान अर्जुन के रोल और फिटनेस अवेयरनेस से संतुष्ट हैं। अर्जुन से अनबन के बाद सलमान के साथ उनके रिश्ते पर भी असर पड़ने संबंधी सवाल के जवाब में बोनी ने कहा कि उनके रिश्ते में कोई बदलाव नहीं आया है। मैं अब भी उनसे प्यार करता हूं। उनके जैसे बहुत कम लोग हैं। बोनी कपूर ने ये भी कहा कि वो बड़े दिल वाले हैं और मेरी बहुत इज्जत करते हैं और मैं उनसे प्यार करता हूं।

पांचवें दिन 50 करोड़ के करीब पहुंची गॉडजिला कॉन्ग, क्रू की पकड़ भी बरकरार

विदेशी फिल्म गॉडजिला कॉन्ग द न्यू एंपायर भारत में शानदार शुरुआत करने में कामयाब रही है। वहीं, क्रू ने भी अपनी कमाई से दिग्गजों को हैरान कर दिया है। अप्रैल के महीने में कई फिल्में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही हैं। इनमें स्वातंत्र्य वीर सावरकर, मडगांव एक्सप्रेस, योद्धा और शैतान जैसी फिल्में भी शामिल हैं। आइए जानते हैं कि बीते दिन यानी मंगलवार को इन फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर कैसी कमाई हुई।

गॉडजिला कॉन्ग को अपने पहले वीकएंड में दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही थी। पहले दिन इस फिल्म ने 13.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, शनिवार को फिल्म ने 12.25 करोड़ रुपये और रविवार को 13.5 करोड़ रुपये की कमाई की। सोमवार को फिल्म के कलेक्शन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। चौथे दिन फिल्म ने तीन करोड़ 97 लाख रुपये का कलेक्शन किया। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पांचवें दिन फिल्म ने चार करोड़ 75 लाख का कारोबार किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 49.75 करोड़ रुपये हो गई है।

फिल्म क्रू दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन इस फिल्म में अपनी अदाकारी से खूब वाहवाही बटोर रही हैं। पहले वीकएंड में अच्छा कारोबार करने के बाद, चौथे दिन फिल्म की रफ्तार सुस्त नजर आई थी। सोमवार को फिल्म ने तीन करोड़ 63 लाख रुपये का कलेक्शन किया था।

वहीं, पांचवें दिन भी इस फिल्म की पकड़ बरकरार नजर आई। मंगलवार को क्रू ने तीन करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। अब फिल्म की कुल कमाई 37.20 करोड़ रुपये हो गई है।

स्वातंत्र्य वीर सावरकर का बॉक्स ऑफिस पर अब तक का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई है। 12वें दिन फिल्म ने 55 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 16.85 करोड़ हो गया है।

फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का भी बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल है। कॉमेडी फिल्म होने के बावजूद यह टिकट खिड़की पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी है। 12वें दिन इस फिल्म ने 55 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 18.3 करोड़ रुपये हो गई है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की एक्शन फिल्म योद्धा भी बॉक्स ऑफिस को अलविदा कहने की तैयारी में नजर आ रही है। मिलीजुली प्रतिक्रिया के बाद यह फिल्म उम्मीद के मुताबिक टिकट खिड़की पर प्रदर्शन नहीं कर सकी है। फिल्म ने 19वें दिन महज 13 लाख रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म की कुल कमाई 34.53 करोड़ रुपये हो गई है।

बॉक्स ऑफिस पर हिट का तमगा हासिल कर चुकी शैतान अब तक सिनेमाघरों में टिकी हुई है। हालांकि, वक्त के साथ फिल्म की रफ्तार धीमी हो चुकी है। फिल्म में अजय देवगन, आर माधवन समेत सभी कलाकारों की अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है। इस फिल्म ने 25वें दिन 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 139.90 करोड़ रुपये हो गई है।

दमोह में 14 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती

सूर्यवंशी अहिरवार जाटव समाज ने समाज के सभी लोगों एवं संगठनों को किया आमंत्रित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिला सूर्यवंशी अहिरवार जाटव समाज द्वारा एक बैठक आयोजित की गई जिसमें निर्णय लिया गया कि आगामी 14 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई जानी है जिसके लिए समाज के सभी सम्माननीय एवं संगठनो को आमंत्रित किया जा रहा है जिसकी बैठक 7 अप्रैल दिन रविवार को दोपहर 1:00 बजे कमेटी हॉल मल्लपुरा नया बाजार नंबर तीन में रखी गई है। जिसमें जिला सूर्यवंशी अहिरवार जाटव समाज समिति द्वारा अपील की गई है कि समाज के सभी सम्माननीय एवं वरिष्ठ और सभी संचालित संगठनो के सदस्य अनिवार्य रूप से उपस्थित हो और आगामी 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती बड़े धूमधाम से मनाने के लिए अपने प्रस्ताव रखें संगठन के लोगों का कहना है कि अंबेडकर की जयंती ऐतिहासिक रूप से मनानी है जिसके लिए समाज के और संगठन के सभी लोगों का एक साथ आना अति आवश्यक है यदि सभी लोग एक रूप होकर इस जयंती को मनाएंगे तो यह जिला में नहीं बल्कि प्रदेश में एक आदर्श होगी। जिला सूर्यवंशी अहिरवार जाटव समाज संगठन के अध्यक्ष भगवान दास चौधरी ने सभी लोगों से अपील की है कि आगामी 7 अप्रैल को सभी लोग कमेटी हाल पहुंचकर अपने सुझाव रखें।

जागरूकता अभियान के तहत निकली दिव्यांग जागरूकता रैली

दिव्यांग रैली का उद्देश्य खास तौर पर मतदान को सुगम बनाना

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार 07-दमोह संसदीय क्षेत्र में स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाता जागरूकता अभियान जिले में निरंतर चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज कलेक्टर कार्यालय परिसर से दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दिव्यांग जागरूकता रैली को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर एवं सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप के नोडल अधिकारी अर्पित वर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली कलेक्ट्रेट से बेलाताल, पुलिस पेट्रोल पंप, तहसील ग्राउंड से होते हुए कीर्ति स्तंभ पहुंचकर पुन: वापस लौटी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने कहा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की एक लंबी श्रृंखला दमोह में चलाई जा रही है, इसको स्वीप नोडल अधिकारी एवं सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा लीड कर रहे है। इस सिलसिले में एक पूरा केलेण्डर बनाया हुआ है कि 24 अप्रैल तक जब तक मतदान का समय नजदीक आता है, तब तक प्रतिदिन मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम अलग-अलग आयोजित किये जायेंगे। इसी क्रम में कल पथरिया में स्वीप सखी का कार्यक्रम संपन्न हुआ था, ऐसे ही आज दिव्यांग रैली आयोजित की गई है। इसका उद्देश्य खास तौर पर जो दिव्यांगजन है, उनके लिये मतदान को सुगम बनाना और मतदान के लिये उनके माध्यम से सभी को जागरूक करने का हमारा मकसद है।

उन्होंने बताया निर्वाचन आयोग ने दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिये सुगम एप लांच किया है। इसके लिये उन्होंने सभी दिव्यांग मतदाताओं से आग्रह करते हुये कहा है कि वे इस एप को डाउनलोड करें। एप के माध्यम से मतदान में जो सहयोग शासन की तरफ से मिल सकता है उसको प्राप्त करें, जैसे ट्राईसिकल आदि। उन्होंने कहा मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि लगातार हम लोग मतदाताओं की जागरूकता के लिये अभियान चलाते रहेंगे जिससे की दमोह में मतदान प्रतिशत और अधिक बढ़े, पिछले चुनाव के मुकाबले हम एक नया रिकॉड कायम करें, इस दिशा में हम काम करेंगे।

स्वीप नोडल अधिकारी एवं सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने कहा सभी को विदित है 26 अप्रैल को जिले में मतदान किया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कोचर के निर्देशन में जिले में स्वीप गतिविधियां आयोजित कर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है जिससे वे अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। इसी तारतम्य में आज दिव्यांग रेली कलेक्ट्रेट से कीर्ति स्तंभ तक आयोजित की गई। यह रैली सभी लोगों को यह संदेश देगी कि हर किसी को अपने मत का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया दिव्यांग मतदाताओं के लिये सुगम एप लांच किया गया है। जिसके माध्यम से मतदान के लिये जो भी सुविधा चाहिए है, जैसे की व्हीलचेयर आदि के लिये आवेदन कर सकते है।

एक दिव्यांग ने कहा दिव्यांगो की रैली के लिये आज कलेक्टर ने अपर कलेक्टर के माध्यम से निर्देशित किया था कि सभी दिव्यांगजन आयें और जागरूक रेली में भाग लें। हम सभी ने दमोह की जनता को रैली के माध्यम से सबसे पहले वोट दे, बाकी काम छोड़ दे माध्यम से जागरूक करने के लिये रैली निकाली है। क्योंकि बहुत से लोग वोट नहीं डालते है, इसी के लिये रैली निकाली है कि सभी अधिक से अधिक मतदान करें, जिससे अच्छा केंडीडेट चुन कर आये जो समाज सेवा और सभी को साथ लेकर चले।

एक दिव्यांग ने क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा अपने मत का उपयोग करते लोकतंत्र को मजबूत बनाएं, इसी के चलते हम सभी दिव्यांग भाईयों ने एक मतदाता जागरूकता रेली का आयोजन किया है, इसके माध्यम से हमने संदेश दिया है कि सभी अपने मत का उपयोग अवश्य करें ताकि लोकतंत्र को मजबूत बनाया जा सकें। उन्होंने कहा प्रत्येक वोट का लोकतंत्र में अत्याधिक महत्व है इससे ही लोकतंत्र मजबूत बनता है।

इस रैली में मतदाता जागरूकता का प्रचार प्रसार करने नाटक मंडली द्वारा ढोल, मंजीरे नगाड़े के संगीत के माध्यम से मतदाता जागरूकता के परंपरागत नारे बुंदेली राई प्रस्तुत की गई। कलाकारों द्वारा राहगीरों को अनिवार्य रूप से मतदान दिवस के अवसर पर मतदान करने की जागरूक किया गया ।

इंडियन कौंसिल ऑफ़ प्रेस का एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन

होली मिलन समारोह तथा बैठक का आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ मैहर, देश के कई राज्यों में संचालित इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस नामक संगठन आठ प्रकोष्ठों के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। जिसको लेकर सदस्यता अभियान सभी राज्यों के प्रदेशों में संभागीय, जिला, तहसील, एवं ब्लॉक स्तरों में जगह-जगह पत्रकार एवं अन्य भाई बहनों के साथ रूबरू होकर सम्मेलन तथा बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मध्य प्रदेश के मैहर जिले में भी होली मिलन समारोह के साथ प्रदेश स्तरीय सम्मेलन का आयोजन दिनांक 3 अप्रैल 2024 को किया जाएगा जिसमें संपूर्ण मध्य प्रदेश के सभी पत्रकार साथी के साथ अन्य सभी भाई-बहन अधिक से अधिक संख्या में

उपस्थित होकर संगठन की मजबूती के लिए अधिक से अधिक संख्या में रजिस्ट्रेशन करवा कर सहभागी बने। कार्यक्रम के आयोजक राकेश अग्रवाल जिला अध्यक्ष मैहर द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर संपूर्ण मध्य प्रदेश के सभी पत्रकार, व्यापारी,वकील,किसान मजदूर शिक्षित बेरोजगार एवं अन्य सभी भाई बहनों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है। कार्यक्रम देवी जी रोड मैहर शुभ लाभ यात्री निवास में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि धीरज कुमार अहिरवाल, संभागीय अध्यक्ष पूरन भारद्वाज,दादू राम विश्वकर्मा ,जिला अध्यक्ष राकेश अग्रवाल रोहित ताम्रकार, कृष्ण कुमार पांडे, कुणाल अवधिया,दीपक बड़ोलिया, श्रेयांश सोनी के साथ अन्य सभी पदाधिकारी कार्यक्रम के संचालन एवं सफल बनाने में सहयोगी रहेंगे। कार्यक्रम में पहुंचने के लिए नीचे दिए गए पदाधिकारी के नंबरों 8878 520 364, 9981 098 137 में संपर्क कर अधिक से अधिक संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करने में सहयोग प्रदान करें।

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गांधी चौक से गांधी परिवार को कोसा

जेपी नड्डा बोले - सोनिया, राहुल, प्रियंका सब परिवारवाद ग्रस्त राजनीति की लड़ाई लड़ रहे हैं

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, आज जिले के हृदय स्थल गांधी चौक पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आगमन हुआ उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष बी.डी. शर्मा मौजूद रहे। लोकसभा चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के भाषण में आमसभा को संबोधित करते हुए विकास कार्य को गिनया गया इसके उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी लोकसभा चुनाव क्षेत्र से प्रत्याशी हिमाद्रि सिंह के पक्ष में जनता से मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि पिछली सरकार में हमने देखा है कि कांग्रेस की राजनीति केवल परिवारवाद थी इनकी राजनीति में सोनिया गांधी राहुल गांधी प्रियंका गांधी तक ही सीमित रह जाती थी, देश में आतंकवाद का साया रहता था देश में आतंकवादी हमले हुआ करते थे फिर मंच पर से राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा पहले होते थे कि नहीं ....अब होते हैं....जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बारी-बारी से उतर दिया। इसके साथ-साथ जेपी नड्डा ने कांग्रेसी नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा पिछली सरकार तुष्टिकरण की राजनीति करती थी जातिवाद की राजनीति करती थी हमारी सरकार सबको साथ लेकर चलने वाली है सबका साथ सबका विकास वाली सरकार है, पिछली सरकारो ने महिलाओं और किसानों की उपेक्षा की है हमारी सरकार ने महिलाओं सशक्त बनाने का कार्य किया और किसानों और आदिवासी हितैषी कार्य किया है उन्होंने कहा बाक़ी राजनीति पार्टी अपना वजूद बचाने की लड़ाई लड़ रही है लेकिन मोदी सरकार की लड़ाई महिलाओं को ताकत देने की लड़ाई लड़ रही है, जेपी नड्डा ने अपने भाषण में कहा कि अब आदिवासी विकास का बजट बढ़ाकर तीन गुना कर दिया गया है। हालांकि अपने भाषण में राष्ट्रीय अध्यक्ष जल्दबाजी में या फिर और कोई कारण से एक ही वाक्य को कई बार दोहराते हुए दिखाई दिए।

हम आपको बता दें कि अपने भाषण में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ इंडिया एलांइज को भी जमकर निशाना साधते जुबानी हमला किया कहा केजरीवाल जेल में हैं कि नही.... कार्यकर्ताओ जनता की तरफ इशारा किया वहां से हामी भरी, इस तरह सत्येन्द्र जैन जेल में हैं कि नही, इसी क्रम में केजरीवाल, ममता बनर्जी, करूणानिधि, महबूबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला, झारखंड के मुख्यमंत्री को लेकर कहा कि सारे कांग्रेस सहयोगी या तो जेल में हैं या फिर बेल पर है। इस तरह भीषण गर्मी में बिना पानी पिए उन्होंने अपना भाषण लगभग 3:44 मिनट में पूरा करते हुए हिमाद्रि सिंह को कमल निशान पर मोहर लगाकर भारी मतों से विजयी बनाए अपील की। उक्त आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष कमल प्रताप सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ जिलाध्यक्ष के आह्वान पर भारी संख्या में भीड़ जुटी आमसभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता जाहिर की है। गांधी चौक में आयोजित आमसभा में प्रदेश स्तर के भाजपा विधायक नेता सहित लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हिमाद्री सिंह, जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह, जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, पूर्व सांसद ज्ञान सिंह एवं संसदीय क्षेत्र के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह सम्पन्न

भगवान परशुराम जयंती मनाए जाने के लिए विस्तार से हुई चर्चा

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आज 2 अप्रैल को महाराज सागर तालाब स्थित निर्माणधीन भगवान परशुराम मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम जी की पूजा अर्चना के साथ किया गया। तत्पश्चात विप्र बंधुओ ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। आयोजित होली मिलन समारोह में किए जा रहे भगवान परशुराम मंदिर के निर्माण कार्य के संबंध में अब तक की प्रगति के संबंध बातचीत की गई और आगे मंदिर का निर्माण कैसे पूरा किया जाए इस संबंध में सभी के सुझाव लिए गए अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम जयंती को भव्यता के साथ मनाए जाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई और उसके संबंध में होने वाली बैठकों की तिथि के बारे में भी सभी उपस्थित विप्र बन्धुओं से बातचीत की गई। आयोजित कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पंडित मुरारी लाल थापक, रवींद्र शुक्ला, प्रमोद पाठक, दिनेश कुमार पाठक, संतोष तिवारी, विनोद मिश्रा, राजू पंडा, बसंत मिश्रा, कमलेश त्रिपाठी, मनीष दुबे, दीपक तिवारी, कृष्णा मिश्रा, संजय शुक्ला, अनिरुद्ध द्विवेदी, अरविंद द्विवेदी, सौरभ पटेरिया, मोना शर्मा,दिनेश दुबे, रवि तिवारी, राम सुंदर त्रिपाठी, देवी दीक्षित, रूपम शर्मा, गणेश चौबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव के चलते भीकनगांव में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों पर हुई कार्यवाही

भीकनगांव के तीन लोगों पर करी गयी बांड ओव्हर की कार्यवाही

पियूष अग्रवाल । सिटी चीफ खरगोन । भीकनगांव, लोकसभा चुनाव-2024 स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। इसके अंतर्गत आपराधिक गतिविधियों में लिप्त एवं समाज की शांति के लिए खतरा बनने वाले लोगों के विरूद्ध धारा-107-116 के तहत बांड ओव्हर की कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 02 अप्रैल को भीकनगांव में तीन लोगों के विरूद्ध बांड ओव्हर की कार्यवाही की गई है। एसडीओपी राकेश आर्य, तहसीलदार रविंद्र सिंह चौहान, थाना प्रभारी मीना कर्णावत द्वारा आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के विरुद्ध 107 116 व 110 की कार्रवाई कर बाउंड ओवर किया गया है। इसमें भीकनगांव निवासी छोटू उर्फ निसार पिता मकसूद पठान, आकाश उर्फ तुल्ला पिता सोनू, सचिन उर्फ पिता श्याम सिरसटे के विरुद्ध धारा 110 की कार्यवाही कर बाउंड ओवर किया है। इसके साथ ही नगर में शांति बनाए रखने की हिदायत देते हुए उल्लंघन करने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीओपी राकेश आर्य ने बताया कि अनुभाग भीकनगांव के गंभीर आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को चिन्हित कर जिला बदर की कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक खरगोन को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है।

शाजापुर में पालकी में होकर सवार दर्शन देने निकले दादा आदिनाथ

दिनभर धार्मिक सामाजिक आयोजनों के साथ मनाया भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याण महोत्सव

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, होंठों पर जय-जय श्री आदिनाथ के जयकारे और कंधों पर दादा आदिनाथ विराजित श्रृंगारित पालकी लेकर जैन समाजजन जब मंगलवार सुबह नगर की सड़कों से निकले तो पालकी यात्रा मार्ग जिन शासन की भक्ति में सराबोर हो गया।

अवसर था, प्रथम जैन तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक महोत्सव का। जिसे अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर युवक महासंघ के आव्हान पर सम्पूर्ण देश सहित शाजापुर नगर के जैन समाजजनों द्वारा भी विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों के साथ

धूमधाम से मनाया गया। जिलाध्यक्ष मंगल नाहर ने बताया कि मंगलवार को सर्वप्रथम चौबीस जिनालय धाम ओसवाल सेरी मंदिर में सुबह 6.30 बजे परमात्मा की पक्षाल पूजा तथा सुबह 8 बजे स्नात्र महोत्सव के साथ महोत्सव की धार्मिक शुरुआत की गई। इस दौरान चौबीस जिनालय धाम में पक्षाल पूजा की बोली प्रतीक मांडलिक परिवार ने लीद्य। वहीं वीरमणि तीर्थ धाम पर सुबह 7.30 बजे अंगुरबाला जितेन्द्र नारेलिया, सौरभ नारेलिया, कपिल चौरड़िया तथा पारूल नाहर द्वारा शक्रस्तव महाभिषेक किया। इसके बाद सुबह 9 बजे दादा आदिनाथ की भव्य पालकी यात्रा चौबीस जिनालय धाम ओसवाल सेरी से प्रारंभ होकर कसेरा बाजार, सुगंधी गली, बजाज खाना, आजाद चौक, नई सड़क तथा पीपली गली होती हुई पुन: जैन मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई। जहां आरती की बोली का लाभ संजय जैन (मैनेजर) परिवार ने लिया। पालकी यात्रा के दौरान समाज के युवाओं द्वारा भगवान की प्रतिमा को सुसज्जित पालकी में विराजित कर भ्रमण करवाया गया। इसके उपरांत जैन उपाश्रय में सुबह 10 से 11 बजे तक महिला मंडल द्वारा सामुहिक सामायिक की धार्मिक आराधना सम्पन्न की गई। वहीं युवक महासंघ के पदाधिकारियों द्वारा नागनागिनी मार्ग स्थित श्री अखंड आश्रम पर निराश्रितों को भोजन सेवा दी गई। शाम 5 बजे लालघाटी तीर्थ धाम पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बतौर अतिथि उपस्थित जिला वन मंडलाधिकारी मयंक चांदीवाल, सकल जैन समाज अध्यक्ष सपन जैन, तीर्थ धाम ट्रस्ट मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र नारेलिया, उपाध्यक्ष सुनील नाहर, पोरवाल समाज अध्यक्ष पीयूष जैन तथा पूर्व अध्यक्ष विनोद जैन द्वारा तीर्थ धाम मुख्य द्वार पर पर्यावरण संवर्धन हेतु पौधारोपण किया गया। इसके साथ ही शाम 7 से 8 बजे तक नयनाभिराम अंगरचना और आकर्षक दीप सज्जा से सुसज्जित वीरमणि तीर्थ धाम पर विराजित परमात्मा प्रतिमाओं के समक्ष रंगारंग प्रभु भक्ति के साथ मूलनायक दादा आदिनाथ की महाआरती के साथ पूरे दिन संचालित महोत्सव का उत्साह पूर्ण समापन हुआ। समस्त कार्यक्रम जैन युवक महासंघ के तत्वावधान में शाजापुर जैन समाज द्वारा आयोजित किए गए। जिनमें समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। आयोजनों के अंत में आभार युवक महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सपन जैन, जिला कोषाध्यक्ष एवं आयोजन प्रभारी प्रांजल मांडलिक तथा नगर अध्यक्ष व आयोजन सहप्रभारी मयंक जैन ने व्यक्त किया।

कलेक्टर द्वारा नवनियुक्त पटवारियों से चर्चा की गई

झाबुआ । कलेक्टर नेहा मीना द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज झाबुआ में प्रशिक्षण ले रहे नवनियुक्त पटवारियों से चर्चा की गई। जिसमें पटवारियों के प्रशिक्षण, पटवारी ईबस्ते, मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता एवं गिरदावरी एप के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर द्वारा नवनियुक्त पटवारियों से कहा गया कि नियम पूर्वक कार्य करने के लिए अभी गहन अध्ययन की आवश्यकता है। इसी के साथ शासन में सत्य निष्ठा और नैतिकता को बनाये रखे। अपने उच्च अधिकारियों से समय-समय पर सीख ले तथा प्रशिक्षण में आपकी आवश्यकता अनुसार सुझाव भी प्रस्तुत करे। इसी के साथ आने वाले भविष्य की शुभकामना दी और प्रशिक्षण केंद्र में मोबाईल माइक की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये इस दौरान अपर कलेक्टर श्री एस.एस.मुजाल्दा, संयुक्त कलेक्टर श्री सत्यनारायण दर्रो और नवनियुक्त पटवारी उपस्थित रहे।

निर्वाचन सामग्री का वितरण मतदानदलों को व्यवस्थित बैठाकर किया जाये- जिला निर्वाचन अधिकारी

झाबुआ । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज झाबुआ में स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया। निर्वाचन सामग्री वितरण हेतु निर्देश दिये गये कि विधानसभावार सामग्री वितरण के लिए लेआउट बनाये तथा मतदानदलों को व्यवस्थित बैठाकर सामग्री का वितरण करे। इसी के साथ मतदानदलों को लेजाने वाली बसों की पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। स्ट्रांग रूम में मतगणना हेतु उचित प्रबंधो का जायजा लेकर विधानसभावार मतगणना कक्ष और पोस्टल बेलेट की मतगणना कक्ष को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री एस.एस.मुजाल्दा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पी.एल.कुर्वे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सत्यनारायण दर्रो, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री हरिशंकर विश्वकर्मा, कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण विभाग श्री आरिफ अहमद गौरी, जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती ममता चंगोड एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत् रखते हुए एरिया डोमिनेशन के तहत जिला नीमच में एसएसबी एवं पुलिस बल द्वारा निकाला गया फ्लैग मार्च

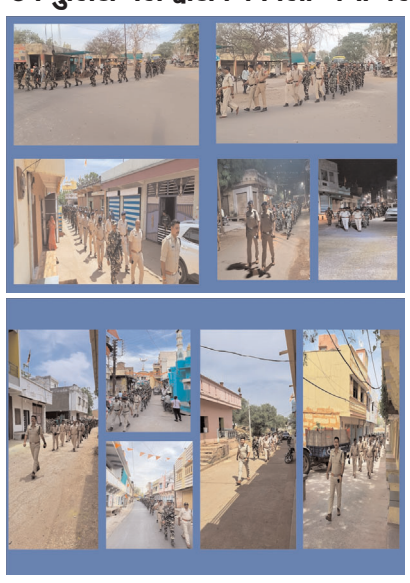

1 लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत् रखते हुए जिला नीमच को आवंटित केन्द्रीय पुलिस बल - एसएसबी एवं जिला पुलिस बल द्वारा फ्लैग मार्च।2 पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल द्वारा जिलें के समस्त थाना प्रभारियों को अपने अपने थानों के वल्नरेबल एरिया, संवेदनशील क्षेत्रों, संवेदनशील मतदान केन्द्रों में फ्लैग मार्च निकालने संबंधी दिये निर्देश।लोकसभा निर्वाचन को दृष्टिगत् रखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया, नगर पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक रंजन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जावद सुश्री निलेष्वरी डाबर एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनासा श्री विमलेष उईके के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारियों के नेतृत्व में जिला नीमच के पुलिस थानों के वल्नरेबल एरिया, संवेदनशील क्षेत्रों एवं संवेदनशील मतदान केन्द्रों में लोकसभा चुनाव हेतु जिलें को आवंटित केन्द्रीय पुलिस बल - एसएसबी एवं जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। केन्द्रीय पुलिस बल - एसएसबी एवं जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पुलिस थाना नीमच केंट अन्तर्गत ग्राम भरभडिया, सगराना, कनावटी, पुलिस थाना नीमच सिटी अन्तर्गत नीमच सिटी कस्बा, पुलिस थाना बघाना अन्तर्गत कस्बा बघाना, पुलिस थाना जीरन अन्तर्गत कस्बा जीरन एवं ग्राम चिताखेड़ा के वल्नरेबल एरिया, संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। कस्बा, गया। फ्लैग मार्च के दौरान संबंधित थाना प्रभारियों सहित केन्द्रीय पुलिस बल - एसएसबी एवं जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिस्सा लिया गया।

एकल अभियान अंचल केंद्र के द्वारा उपहार सामग्री का किया वितरण

मंडला/ मध्य प्रदेश

एकल अभियान अंचल मंडला में आज दिनांक 02/04/2024 दिन मंगलवार को केंद्र से आए उपहार सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमे अंचल के वरिष्ठ पदाधिकारी श्रीमान प्रदीप सिंह जी अंचल सचिव,एवं श्रीमती उमा यादव [हरि कथा सचिव], श्रीमान आशीष पटेल अंचल युवा प्रभारी,तथा अंचल टोली से नंदकिशोर यादव अंचल कार्यालय प्रमुख, श्री मानक लाल मार्को प्रा. शि. प्र. प्रमुख , सुश्री वैशाखी सहचारी अंचल व्यास ,जिसमे वनांचल में प्रवास करने वाले संच व्यास कथाकार भाईयो तथा बहनों को आए हुए उपहार दिया गया एवं आगामी कार्य योजना तथा संगठन के वनवासी ग्राम में सत्संग कथा तथा मानस पाठ करते हुए अपने संस्कृति के बारे में समिति के द्वारा कार्यकर्ताओ को प्रेरित एवं उत्साह के साथ अपना अभियान का कार्य उच्च तक पहुंचे इस कार्यक्रम में सचिव महोदय जी के द्वारा मार्गदर्शन किया गया।

स्वीप कार्यक्रम के तहत चुनावी चौपाल का छायानखुर्द, माछलियाझीर और चुई में आयोजन

झाबुआ । कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान (जिला नोडल स्वीप) के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु विकासखंड राणापुर के मतदान केंद्र छायानखुर्द, माछलियाझीर और चुई में मतदाता जागरुकता के लिए चुनावी चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमे मतदाता जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया।कार्यक्रम में स्थानीय भाषा में आमजन से अपने मत

का प्रयोग करने , मतदान केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं, दिव्यांगजनो और वृद्धजनों को मतदान केंद्र पर दी जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया। इसी के साथ मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रेरित किया गया साथ ही कम मतदान होने के कारण को जानकर लोकसभा निर्वाचन 2024 में 100त्न प्रतिशत मतदान किए जाने हेतु स्थानीय भीली बोली में समझाया गया।अंत में सभी मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री हरि शंकर विश्वकर्मा, तहसीलदार श्री सुखदेव डावर ,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद , अन्य अधिकारी , कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

झोलाछापों की अवैध दुकानों पर स्वास्थ्य विभाग ने मारा छापा

15 से अधिक झोलाछाप अपनी दुकानें बंद कर भागे एक झोलाछाप आया पकड़ में

दमोह- दमोह जिले के ग्रामों में झोलाछापों का मकड़जाल फैला है। जिसके पीछे कारण है कि स्वास्थ्य विभाग के ग्रामीण अस्पतालों में इलाज उपलब्ध नहीं हो रहा है, जिससे लोग झोलाछापों से इलाज कराने मजबूर हैं। इन झोलाछापों पर गाहे बगाहे कार्रवाई भी जाती हैं, लेकिन कुछ ही पकड़ में आते हैं। ऐसा ही मामला मंगलवार को बटियागढ़ व फुटेरा गांव से सामने आया है। जिसमें एक झोलाछाप पकड़ में आया है। बाकी झोलाछाप अपनी दुकानें बंद कर भाग गए।

बटियागढ़ में ब्लाक मेडिकल ऑफिसर ने ड्रग इंस्पेक्टर और स्वास्थ्य अमले के साथ बटियागढ़, फुटेरा में दर्जनों

झोलाछापों के अवैध क्लीनिकों पर छापामार कार्यवाही करते हुए बड़ी मात्रा में दवाएं, स्टॉक, इंजेक्शन आदि पकड़े हैं। फुटेरा और बटियागढ़ में दर्जनों अवैध रूप से संचालित पाए गए कथित झोलाछापों के अवैध क्लीनिकों पर जब स्वास्थ्य अमले ने रेड की तो यंहा कोई वैध लायसेंस, डिग्री और अन्य आवश्यक दस्तावेज नही पाए गए। जिसके बाद सभी क्लीनिकों में ताले डालकर सीज की कार्यवाही की गइ है।

बीएमओ श्रवण पटेल ने बताया कि लगातार शिकायतों पर यह कार्रवाई की गई है। जो अवैधानिक रूप से संचालित पाए गए हैं। नियम विरुद्ध तरीके से यह क्लीनिक चलते पाए गए। सेम्पल के तौर पर दवाएं आदि जब्त की गई है दस्तावेजो और आवश्यक कागजो की जांच की जा रही है। कार्यवाही में ड्रग इंस्पेक्टर महिमा जैन और बटियागढ़ थाना पुलिस भी शामिल रही। ड्रग इंस्पेक्टर महिमा जैन ने बताया कि दबिश दी गई है, जिसमें केवल एक खुला मिला है। शेष बंद कर भाग गए हैं, जिन्हें सीज करने की कार्रवाई की गई है।

जिले के मतदानकर्मियों के लिए आज से प्रशिक्षण आरंभ तीन दिवस चलेगा प्रशिक्षण

धार / लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिये जिले की सभी विधानसभाओं के मतदानकर्मियों के लिए एक साथ दो-दो सत्रों में प्रशिक्षण आज से शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण 4 अप्रैल तक संबंधित विधानसभा क्षेत्र के नियत स्थल पर दो-दो सत्रों में संचालित होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा आज गंधवानी सीएम राइज स्कूल और सरदारपुर के मॉडल स्कूल पहुँचे। यहाँ जारी प्रशिक्षण का उन्होंने जायज़ा लिया। संयुक्त कलेक्टर और गंधवानी की सहायक निर्वाचन अधिकारी अंकिता प्रजापति और संयुक्त कलेक्टर और सरदारपुर की सहायक निर्वाचन अधिकारी मेघा पवार साथ थी।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रशिक्षण में सम्मिलित प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशित किया कि चुनाव प्रक्रियाओं की बारीकियों को समझें। निर्वाचन संबंधी तमाम जिज्ञासाओं के समाधान के बाद ही प्रशिक्षण हॉल छोड़े। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में हुई गलती क्षम्य नहीं होगी।निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक बिन्दु के संबंध में लिखित निर्देश जारी किए गए है जिसका अध्ययन कर शत प्रतिशत पालन कराया जाना है। उन्होंने सम्पूर्ण निर्वाचन कार्य टीम वर्क की भावना से करने पर बल देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक मतदानकर्मी की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से निगरानी रखी जाती है। किसी एक की गलती से प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। किन्ही भी परिस्थितियों में हमारी प्रतिष्ठा प्रभावित ना हो, इसका पूरा ध्यान रखना आवश्यक है।

मतदान दल की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसके लिए मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया से भली भांति अवगत होना आवश्यक है। मतदान के पूर्व की तैयारियों से लेकर मतदान दिवस तथा मतदान का समय समाप्त होने के पश्चात मतपत्र लेखा तैयार करनें की जानकारी तक से अवगत होना आवश्यक है। मतदान दल में तैनात सभी शासकीय सेवक ईव्हीएम संचालन का पर्याप्त अभ्यास कर लें।

प्रशिक्षणार्थियों को मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान दल के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, पोलिंग एजेंटों की मतदान केंद्र पर नियुक्ति, मतदान केंद्र पर एक दिन पूर्व होने वाली कार्यवाही, मतदान के पूर्व की तैयारी एवं मॉक पोल, मतदान की पूर्व तैयारी एवं मॉक पोल, मॉक पोल का क्रम, मॉक पोल के दौरान मशीनों का परिवर्तन, मॉक पोल के पश्चात मशीनों की सीलिंग, वास्तविक मतदान प्रारंभ, मतदान केन्द्र में प्रवेश के लिये अनुमति धारक व्यक्ति, मतदान केंद्र पर मतदाताओं के प्रवेश का विनिमय, मतदान केंद्र और आस-पास निर्वाचन विधि का प्रवर्तन, मतदान प्रक्रिया, मतदान के दौरान की विशेष स्थितियां, बैटरी का विस्थापन, विस्थापन, व्हीव्हीपीएटी पेपर स्लिप पर गलत प्रिंट, मतदान समाप्ति पर कार्यवाही, निर्वाचन अभिलेख तैयार करना एवं पैकिंग, किंग, बुकलेट प्रपत्र, आदि की जानकारी दी गई ज्ञात रहे कि ज़िले के 17 हज़ार से अधिक शासकीय सेवकों को आज से प्रशिक्षित किए जाने का सिलसिला आरंभ हुआ है जो तीन दिवस तक चलेगा।

तराना विधानसभा में कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन और चुनाव कार्यालय का शुभारम्भ

तराना- आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर तराना विधानसभा का कार्यकर्ता सम्मेलन और चुनाव कार्यालय के शुभारंभ कलश गार्डन तराना में संपन्न हुआ इस अवसर पर लोकसभा चुनाव के कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने सभी कार्यकर्ता बंधुओ को स्वयं महेश परमार बनकर काम करने की अपील कर भाजपा के झूठे वादों को अमजनता के बीच लेजाकर कांग्रेस पार्टी के पक्ष मतदान करने की अपील की इस अवसर पर लोकसभा चुनाव के प्रभारी पूर्व विधायक रवि जोशी,जिला कांग्रेस अध्यक्ष कमल पटेल,पूर्व मंत्री बाबूलाल मालवीय,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गजराज सिंह चौहान,कैलाश पांडे,निहाल सिंह गुर्जर,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष,कैलाश गोठी, नरेन्द्र कानडी, ओंकार सिंह बड़ाल,नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि रूपेश परमार,पूर्व

अध्यक्ष राजेश डोडिया,वरिष्ठ नेता विजेंद्र सिंह कड़ोदिया, गंगासिह चौहान,चंद्रभान सिंह चंदेल,शहर कांग्रेस अध्यक्ष पवन बारोड़,संजय रावल,जिला पंचायत सदस्य मुकेश परमार,सहित कई वरिष्ठ और युवा नेताओं की उपस्थिति में कार्यक्रम सफलतम संपन्न हुआ लोकसभा प्रभारी रवि जोशी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने बूथ लेवल पर कार्य कर कांग्रेस को विजय बनाने का संकल्प कार्यकर्ताओ को दिलाया कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण, जनप्रतिनिधिगण सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन युवा कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र गुर्जर और प्रदेश कांग्रेस सचिव संजय यादव ने किया !

जिस जगह हुड़दंग मचाया उसी जगह पुलिस ने हुड़दगियो का जुलूस निकाला

महू। 2 दिन पूर्व शहर के तेली मोहल्ले में चार-पांच युवाओं ने जमकर हुड़दग मचाया था और कुछ गाड़ियों के कांच भी फोड़ दिए थे इन आरोपियों को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार और लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो के आधार पर पहचान कर हिरासत में लिया और मंगलवार शाम उसी स्थान पर इन लोगों का जुलूस निकाला जिस स्थान पर इन लोगों ने हुड़दंग मचाया था। जानकारी अनुसार पुलिस ने चार युवकों को हिरासत में लिया जिसमें दो लालजी की बस्ती निवासी प्रियांशु पाल और आयुष पाल तथा दो संजय गांधी कॉलोनी निवासी अरुण प्रजापति और सोनू नामक युवक है। इन चारों का पुलिस ने तेली मोहल्ला क्षेत्र में जुलूस निकाला।

लोकसभा चुनाव से पहले इलेक्शन कमीशन की कार्रवाई

5 राज्यों के 8 डीएम और 12 एसपी का तबादला

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भारत निर्वाचन आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। 5 राज्यों असम, बिहार, ओडिशा, झारखंड और आंध्र प्रदेश में 8 डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट का ट्रांसफर कर दिया गया है। इसके साथ ही 12 सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) का भी तबादला हुआ है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को ओडिशा सरकार को 2 जिलाधिकारियों, 5 पुलिस अधीक्षकों और एक पुलिस महानिरीक्षक समेत 8 अधिकारियों का तबादला करने का आदेश दिया। आयोग के सचिव राकेश कुमार ने ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जेना को लिखे पत्र में कहा कि उक्त अधिकारियों का तबादला चुनाव से अतिरिक्त कार्यों के लिए किया जाए। पत्र में कहा गया, ह्यमुझे यह बताने का निर्देश दिया गया है कि आयोग ने निर्णय लिया है कि 8 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से गैर-चुनाव संबंधी पदों पर स्थानांतरित किया जाए। आयोग ने कटक के जिलाधिकारी (डीएम) और जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) विनीत भारद्वाज, जगतसिंहपुर की डीएम और डीईओ पारुल पटवारी, आंगुल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुधांशु शेखर मिश्रा, बरहामपुर के एसपी सर्वण विवेक एम, खुर्दा एसपी जुगल किशोर बनोथ, राउरकेला के एसपी मित्रभानु महापात्र, सुंदरगढ़ के एसपी कंवर विशाल सिंह और पुलिस महानिरीक्षक आशीष कुमार सिंह का तबादला करने का आदेश दिया है। आयोग ने ओडिशा के मुख्य सचिव से कहा कि उक्त प्रत्येक पद के लिए तीन पात्र अधिकारियों के नाम दें और अनुपालन रिपोर्ट 2 अप्रैल को शाम पांच बजे तक भेज दी जाए।

ईवीएम पर सवाल, डीएमके ने मद्रास हाई कोर्ट में दायर की रिट याचिका

चेन्नई। दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु की सत्ताधारी द्रविड मुनेत्र कषगम (डीएमके) ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर मद्रास हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की है। ईवीएम को लेकर ये याचिका ऐसे समय में जारी की गई है जब आगामी लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान को महज कुछ दिन ही बचे हैं। इसी साल फरवरी में डीएमके ने चुनाव आयोग का भी रुख किया था। इसने आयोग से आग्रह किया था कि वह ईवीएम से आम चुनाव तब तक न कराए जब तक कि उसके द्वारा चिह्नित कुछ उल्लंघन का समाधान नहीं हो जाता। डीएमके द्वारा आयोग को सौंपे गए आवेदन में यह भी कहा गया है कि आगामी आम चुनावों के संचालन के लिए पेपर बैलेट प्रणाली का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसमें जोर दिया गया कि सभी वीवीपैट की सभी पर्चियों की गिनती की जाए और एक निर्वाचन क्षेत्र में केवल पांच वीवीपैट की गिनती न की जाए। डीएमके ने बैलेट यूनिट और कंट्रोल यूनिट को सीधे जोड़ने का आग्रह किया। इसने कहा था कि अगर आवश्यक हो, तो वीवीपैट को बैलेट यूनिट से अलग से जोड़ा जा सकता है ताकि बैलेट यूनिट में इनपुट सिग्नल कंट्रोल यूनिट और वीवीपीएटी दोनों को एक साथ मिल सके।

वीवीपैट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी बड़ा निर्देश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव में

सभी ह्यवीवीपैटह्न पर्चियों की गिनती का अनुरोध करने वाली याचिका पर निर्वाचन आयोग और केंद्र से सोमवार को जवाब मांगा। वर्तमान में, वीवीपीएटी पर्चियों के माध्यम से केवल पांच रैंडम रूप से चयनित ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के सत्यापन का नियम है।

राज्य के स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयास को केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने किया खारिज

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और रहेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयास को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि नाम बदलने के प्रयास से इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और रहेगा।

चीन अकसर करता रहा है दावा

इससे पहले 28 मार्च को भारत ने कहा था कि चीन अपने निराधार दावों को दोहरा सकता है। दरअसल, चीन की तरफ से अक्सर दावा किया जाता है कि अरुणाचल प्रदेश उसका हिस्सा है। प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन लागातार अरुणाचल प्रदेश पर अपनी दावेदारी करता आ रहा है। उनका यह चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियांग के दावे के बाद आया।

विदेश मंत्रालय ने खारिज किया चीन का दावा

चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों के नए नामों की चौथी सूची जारी करने के बाद मंत्रालय ने अपना बयान जारी किया। मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने कहा, चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलने के प्रयासों पर कायम है। हम चीन द्वारा किए गए इन प्रयासों को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं। स्थानों का नाम बदलने से यह वास्तविकता नहीं बदलेगी कि अरुणाचल भारत का एक अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा।

भारत भी तिब्बत के 60 इलाकों को दे अपने नाम : सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को भारत सरकार से आग्रह किया कि वह अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के प्रयासों के जवाब में जैसे को तैसा वाला रवैया अपनाए। सरमा ने सुझाव दिया कि भारत को तिब्बत के साठ क्षेत्रों के लिए खुद के नाम देकर इसका मुकाबला करना चाहिए। सरमा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, भारत सरकार से मेरा अनुरोध है कि हमें भी तिब्बत के 60 इलाकों को भौगोलिक नाम देने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाब हमेशा जैसे को तैसा होना चाहिए। लेकिन मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता, क्योंकि यह भारत सरकार नीतिगत फैसला है। लेकिन अगर उन्होंने 30 का नाम लिया है तो हमें 60 का नाम लेना चाहिए।

पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सैन्य टकराव पर बोले रक्षा मंत्री, बीआरओ ने सीमाओं पर बिछाया सड़कों का जाल

सरहद पर मुस्तैदी के साथ खड़ी सेना : राजनाथ

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव जारी रहने के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरहद पर भारतीय सेना पूरी मुस्तैदी के साथ खड़ी है। शांतिपूर्ण समाधान के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

सेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने रक्षा और सुरक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सेना के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेना का अहम योगदान है। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की भी सराहना की और कहा कि उसके प्रयासों से पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर सड़क संचार में एक बड़ा सुधार आया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा कि उत्तरी सीमाओं पर मौजूदा स्थिति पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूरा विश्वास

जताया और सरहद पर मौजूद सैनिकों की सराहना की है। गौरतलब है कि भारत और चीन की सेना के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ क्षेत्रों को लेकर लगभग चार वर्षों से गतिरोध बना हुआ है, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है।

आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रचार के लिए आधुनिक चिकित्सा की छवि खराब करने वाले भ्रामक विज्ञापन चलाने के मामले में चल रहा है मुकदमा

पतंजलि और बाबा रामदेव को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली। पतंजलि पर आयुर्वेदिक उत्पादों के प्रचार के लिए आधुनिक चिकित्सा की छवि खराब करने वाले भ्रामक विज्ञापन चलाने पर मुकदमा चल रहा है। अदालत ने रामदेव और बालकृष्ण की क्षमा प्रार्थना अस्वीकार करते हुए कंपनी को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह अदालत की अवमानना के मामले में पतंजलि के सह-संस्थापक बाबा रामदेव और प्रबंधक निदेशक आचार्य बालकृष्ण की क्षमा प्रार्थना को अस्वीकार कर सकती है। पतंजलि और इन दोनों पर भ्रामक प्रचार चलाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के

दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप हैं। न्यायमूर्ति हीमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने फटकार लगाते हुए कंपनी के रवैये की कड़े शब्दों में निंदा की। जजों ने यहां तक कहा कि पतंजलि अदालत में झूठी गवाही देने की भी दोषी प्रतीत हो रही है। सॉलिसिटर जनरल के हस्तक्षेप पर अदालत ने पतंजलि को एक हफ्ते का अतिरिक्त समय दिया।

आदेश के बावजूद पतंजलि ने निकाले विज्ञापन

मूल मामला इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा दायर की गई एक याचिका से जुड़ा है। इसमें आईएमए ने आरोप लगाया था कि पतंजलि और रामदेव ने कोविड-19 टीकाकरण अभियान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के खिलाफ विज्ञापन अभियान चलाया था। नवंबर 2023 में अदालत ने बीमारियों का समूचा इलाज करने वाली दवाओं के झूठे दावों पर प्रति शिकायत पतंजलि के ऊपर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने की चेतावनी दी थी। यह भी आदेश दिया था कि कंपनी भविष्य में झूठे विज्ञापन ना निकाले। इस आदेश के बावजूद पतंजलि ने फिर से ऐसे विज्ञापन निकाले, जिसके बाद अदालत ने ऐसे विज्ञापनों पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया। साथ ही, पतंजलि और बालकृष्ण के नाम अवमानना के नोटिस जारी कर दिए। अवमानना के मामले में जब कंपनी ने अपना जवाब अदालत में दाखिल नहीं किया, तो 19 मार्च को कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को अगली सुनवाई में मौजूद रहने का आदेश दिया।

विज्ञापनों के लिए अदालत में हलफनामा दाखिल कर बिना शर्त माफी मांगी

21 मार्च को बालकृष्ण ने इन विज्ञापनों के लिए अदालत में हलफनामा दाखिल कर बिना शर्त माफी मांगी। कंपनी ने यह दलील दी कि वह कानून के शासन का पूरा आदर करती है, लेकिन उसके मीडिया विभाग को विज्ञापन रोकने के अदालती आदेश की जानकारी नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को ठुकरा दिया और कहा अवमानना के मामलों में इस तरह का सलूक नहीं किया जाता है। कुछ मामलों को उनकी तार्किक परिणति तक ले ही जाना पड़ता है। इतनी दरियादिली नहीं दिखाई जा सकती।

सरकार को भी फटकार

गुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय पर भी इस मामले में कोई कदम नहीं उठाने के लिए नाराजगी जताई। पीठ ने कहा कि कोविड के दौरान 2022 में खुद मंत्रालय ने कहा था कि पतंजलि के उत्पाद महामारी के खिलाफ आधुनिक दवाइयों के सप्लीमेंट से ज्यादा कुछ नहीं हैं। पीठ ने रेखांकित किया कि इसके बावजूद मंत्रालय ने इस बात का जरा भी प्रचार नहीं किया, जबकि उस समय केंद्र सरकार के बिना कोई काम नहीं हो सकता था।

लेस्बियन निकली चाची, नाबालिग भतीजी को भगाकर ले गई, मांग भरी और पति बनकर किया शरीरिक शोषण

खरगोन। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में समलैंगिक संबंधों का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक विवाहित महिला अपनी नाबालिग भतीजी को भगाकर ले गई और उससे शादी कर दी। आरोपी महिला ने पीड़िता की मांग में सिंदूर भरा और उससे विवाह कर लिया। पति बनने के लिए उसने खुद का हुलिया भी चेंज कर लिया और पुरुषों की तरह रहने लगी। पुलिस ने महिला समेत नाबालिग युवती को दस्तयाब कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला के इससे पहले भी 8-10 महिलाओं के साथ समलैंगिक संबंध रहे हैं। एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी, महिला का पति पत्नी की समलैंगिकता से अनजान था। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी महिला को जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार ओंकारेश्वर क्षेत्र में रहने वाली 24 वर्षीय महिला की शादी एक साल पहले खरगोन जिला मुख्यालय से 16 किलोमीटर दूर उमरखाली गांव के एक युवक से हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद से ही वह महिला अपने जेठ की 16 साल की नाबालिग बेटी (भतीजी) के साथ संबंध बनाने लगी। 27 मार्च को आरोपी महिला ने घर में बताया कि वह कपड़े खरीदने के लिए बाजार जा रही है। वह अपने साथ नाबालिग भतीजी को भी ले गई। इसके बाद वह नाबालिग को धार जिले के पीथमपुर ले गई और एक कमरे में मांग भरकर, माला और मंगलसूत्र पहनाकर उससे विवाह कर लिया।

दोनों के बीच लंबे समय से थे संबंध

पुलिस ने बताया कि बताया कि 27 तारीख को झूमर खाली से महिला और नाबालिग लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। नाबालिग लड़की के लिए 363 का अपराध दर्ज किया गया था। नाबालिग को पीथमपुर से दस्तयाब किया गया। पूछताछ में नाबालिग ने कहा कि उसके और चाची के बीच पहले लंबे समय से शारीरिक संबंध हैं, हमारी ट्यूनिंग अच्छी थी। चाची मुझे बहला फुसलाकर शादी करने का बोलकर घर से लेकर आई थीं। नाबालिग लड़की ने बताया कि पीथमपुर में हम पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। चाची ने यहां माला और मंगलसूत्र पहनाकर शादी कर ली थी। उन्होंने अपना गेटअप भी बदल लिया था। उन्होंने लड़कों जैसे बाल कटवा लिए थे और पैंट शर्ट पहनने लगी थी। इसी बीच उन्होंने कई बार मेरा शारीरिक शोषण किया । पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की को तलाशकर महिला के खिलाफ केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। मामला समलैंगिक संबंधों का है, इससे पहले भी आरोपी महिला के कई अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध रहे हैं।

भतीजी के साथ रहने लगी पति की तरह

आरोपी महिला ने पति की तरह दिखने के लिए अपने बाल भी कटा लिया। वह नाबालिग भतीजी के साथ पति-पत्नी की तरह रहने लगी। इस दौरान आरोपी चाची ने कई बार भतीजी का शारीरिक शोषण भी किया। इधर परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और तकनीकी संसाधनों की मदद से महिला को तलाश कर लिया, जिसके बाद नाबालिक को दस्तयाब कर महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह लेस्बियन है, शादी से पहले भी उसके 8-10 महिलाओं के साथ संबंध रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569